

चुनाव आयोग कठपुतली की तरह काम कर रहा, लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश- अखिलेश यादव

लखानऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अ्ध यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि आयोग निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रहा है और चुनावों में बेईमानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जिस तरह काम कर रहा है, उससे लोकतंत्र की निष्पक्षता और संवैैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग को लेकर जिस तरह की बातें सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए बेहद गंभीर और चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में बने रहने के लिए संविधान की धजियां उड़ाई जा रही हैं और भविष्य के चुनाव मौजूदा व्यवस्था के तहत नहीं होने चाहिए।बुधवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग के दो चुनाव आयुक्तों द्वारा पिछले दस महीनों में कथित तौर पर 14 बार आपत्ति दर्ज किए जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। मीडिया रिपोर्ट में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की ओर से आयोग

एसएससी परीक्षा में धांधली के मामले में परीक्षा केंद्र चयन करने वाली कंपनी के दो निदेशक गिरफ्तार

लखानऊ(आरएनएस)। कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित केंद्रीय सशरन्न पुलिस बल और एसएसएफ में कांस्टेबल सामान्य ज्युटी तथा असम राइफल्स में राइफमैन भर्ती परीक्षा—2026 में धांधली के मामले में उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने परीक्षा केंद्रों का चयन करने वाली कंपनी एसएस इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के दो निदेशकों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने यह कार्रवाई 22 सितंबर को गौतमबुद्धनगर स्थित अपने सूरजपुर कार्यालय से की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गगनदीप शर्मा पुत्र अमृतपाल शर्मा, निवासी महिमा सिटी, जयपुर, राजस्थान तथा यादवेन्द्र सिंह पुत्र दिलावर सिंह, निवासी जयपुर, राजस्थान के रूप में हुई है।एसटीएफ के अनुसार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली करने वाले गिरोहों के सक्रिय होने की सूचनाएं लगातार मिल रही थीं। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक राज कुमार मिश्रा के पर्यवेक्षण और पुलिस उपाधीक्षक नवेन्दु कुमार के नेतृत्व में एसटीएफ फील्ड इकाई नोएडा की टीम अभिसूचना संकलन कर रही थी। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर एससे इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के दोनों निदेशकों को परीक्षा धांधली के मामले में भूमिका

के कुछ फैसेलों और आदेशों पर आपत्ति दर्ज किए जाने की बात कही गई है।अखिलेश यादव ने कहा कि अगर किसी स्वतंत्र संवैैधानिक संस्था के सदस्यों को न्यायपूर्ण तरीके से काम करने की स्वतंत्रता नहीं है और उनकी आपत्तियों की सुनवाई नहीं होती है तो यह लोकतंत्र के लिए घातक स्थिति है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में संवैैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता यह उम्मीद करती है कि चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष संस्था के रूप में लोकतंत्र को मजबूत करेगा, लेकिन मौजूदा घटनाक्रम ने आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। हालांकि, निर्वाचन आयोग की ओर से कहा गया है कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने कुछ विषयों पर टिप्पणियां जरूर की थीं, लेकिन उन्हें औपचारिक असहमति नहीं माना गया और संबंधित निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए।सपा अ्ध यक्ष ने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर पहले भी समाजवादी पार्टी ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद सपा ने आरोप लगाया था कि पार्टी समर्थक मतदाताओं के नाम जानाबूझकर मतदाता सूची

से हटाए गए। उन्होंने दावा किया कि पार्टी की ओर से चुनाव आयोग को बड़ी संख्या में मतदाताओं के शपथपत्र और संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई, लेकिन किसी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उत्तर प्रदेश में मीरापुर, कुंवरकी, कानपुर, करहल, कटेरी और मिल्कीपुर उपचुनावों को लेकर भी सपा ने धांधली के आरोप लगाए थे।अखिलेश यादव ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान गड़बड़ी की गई और लखनऊ में कथित तौर पर एक व्यक्ति के हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने का प्रयास किया गया। उन्होंने सुल्तानपुर का उल्लेख करते हुए भी आरोप लगाया कि ऐसे व्यक्ति के नाम का इस्तेमाल किया गया जो हस्ताक्षर करने में सक्षम नहीं है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि उन्होंने अपने बयान में प्रस्तुत नहीं की।उन्होंने कहा कि अब चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल सामने आ चुके हैं और यह स्पष्ट होना चाहिए कि संवैधानिक संस्था के फैसले किस तरह लिए जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने आरोप

लगाया कि 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के खिलाफ साजिश की गई और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भी इसी तरह की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि अधिका्रियों की तैनाती और स्थानांतरण को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं तथा चुनाव से पहले अधिकारी बदले जा रहे हैं।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर स्थानांतरण और तैनाती की जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का अगला विधानसभा चुनाव लोकतंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा। उनके अनुसार यदि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता नहीं रही तो जनता के मताधिकार पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना होगा और पीडीए की सरकार बनाने की बात कही।अखिलेश यादव ने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवालों से भाजपा सरकार भी घटघरे में है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जनता अपने वोट के माध्यम से भाजपा को जवाब देगी और भाजपा के खिलाफ जनमत तैयार होगा।

के लिए एडुविटी ने एससे इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड से अनुबंध किया था। एससे इंफ्रा की जिम्मेदारी परीक्षा केंद्रों को चिन्हित करने, उनका सुरक्षा परीक्षण कराने तथा केंद्र संचालक, मालिक और कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन कराने सहित अन्य कार्यों की थी।एसटीएफ के मुताबिक ग्रेटर नोएडा के बालाजी डिजिटल जोन को भी एससे इंफ्रा ने ही कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा के लिए केंद्र के रूप में चिन्हित किया था। इस केंद्र पर वर्ष 2025 से अब तक कर्मचारी चयन आयोग की 16 परीक्षाएं आयोजित की जा चुकी थीं। जांच में आरोप है कि इन परीक्षाओं के आयोजन के लिए एससे इंफ्रा की ओर से केंद्र में निर्धारित शुल्क का भुगतान नहीं किया गया। इसके बदले परीक्षा केंद्र से जुड़े सुरक्षा नियमों में कथित तौर पर अनदेखी की गई, जिसका लाभ उठाकर केंद्र संचालक ने अभ्यर्थियों से पैसे लेकर परीक्षा में नकल कराने की व्यवस्था की।जांच के दौरान उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, हिहार, झारखंड और दिल्ली सहित कई राज्यों में स्थित दर्जनों सदिर्ध परीक्षा केंद्रों के इस नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी सामने आने की बात एसटीएफ ने कही है। एसटीएफ के अनुसार

जेटीडीसी में धूमधाम से मनाया गया 51वाँ स्थापना दिवस समारोह

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में महाविद्यालय का 51वाँ स्थापना दिवस समारोह आज हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। समारोह का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण के साथ हुआ जिसका आयोजन कल्पतरु क्लब की छात्राओं के द्वारा डॉ ऐश्वर्य सिंह के निर्देशन में किया गया।

इसके पश्चात रवींद्रालय में आयोजित मुख्य समारोह में दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इसका संचालन डॉ प्रमा दिवेदी ने किया।

कार्यक्रम में बांसुरी वादन एवं

संसायटी के अध्यक्ष श्री प्रदीप मुखर्जी ने छात्राओं और शिक्षकों के संबोधित किया और निकट भविष्य की शुभकामनाएं दी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग के अध्यक्ष प्रो. कुमार वीरेन्द्र ने कहा कि पुरा इलाहाबाद के किसी भी महाविद्यालय की संभवतः पहली साहित्यिक पत्रिका है। महाविद्यालय के गर्वनिर्ग बॉडी के चेयरमैन प्रो. असीम मुखर्जी ने पत्रिका के लिए संपादकों को खूब बधाई दी।कार्यक्रम की अगली कड़ी में महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति द्वारा टैलेंट सर्च एवं इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

टैलेंट सर्च कार्यक्रम में छात्राओं ने गायन और नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। जिसके निर्णायक प्रो.अंशुमाला मिश्रा डॉ.रीना यादव डॉ अनुज कुमार वर्मा रहेध

समारोह के अंत डॉ नम्रता देव धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में जगत तारन एजुकेशन सोसाइटी के सदस्य, महाविद्यालय के ट्रेजरार शंकर चर्टजी, प्रोफेसर रामेन्दु राय, इलाहाबाद डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अतुल कुमार सिंह महाविद्यालय की समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं शोधार्थी एवं छात्र महाविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

28 से 30 सितंबर तक खम्मम, तेलंगाना में एआईकेएयएस का चौथा अखिल भारतीय सम्मेलन’

प्रयागराज। अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा, एक वामपंथी, क्रांतिकारी किसान संगठन, 28 से 30 सितंबर तक खम्मम, तेलंगाना में अपना चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रही है। सम्मेलन का भारत में किसान संघर्षों की भावी दिशा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। यह जानकारी देते हुए अध्यक्ष वी. वेंकटरमैया और महासचिव डॉ. आशीष मित्तल ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में तीन कृषि कानूनों के आंदोलन में अपनी सक्रिय भूमिका से उत्साहित, यह वर्तमान आरएसएसध्वीजेपी शासन के तहत किसानों पर नए सिर से हो रहे कॉरपोरेट समर्थक और जमींदार समर्थक हमलों के खिलाफ संघर्षों को नई गति देगा। एआईकेएयएस और इसकी पंजाब इकाई, कीर्ति किसान यूनियन, सकेएम आंदोलन की परिकल्पना, योजना बनाने, उसे क्रियाय्वित करने और बनाए रखने तथा उसे दिल्ली की सीमाओं तक आगे बढ़ाने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। उस अनुभव ने कैंडर को सम्मेलन के आह्वान को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित किया हैरू “कॉरपोरेटों और जमींदारों के खिलाफ लड़ोय भूमि, जंगल और नदियां सुरक्षित करोय किसानों और आदिवासियों को बचाओ।’2012 से ‘गुजरात मॉडल’ के लिए बड़े कॉरपोरेट धक्के और केंद्र में बीजेपी सरकार के सत्ता में आने के बाद से देश की कृषि अर्थव्यवस्था और अधिक खराब हुई है। कॉरपोरेट किसान और आदिवासियों की आजीविकाओं को निगल रहे हैं, जबकि कृषि भूमि, जंगलों, जल संसाधनों, खनिजों और ग्रामीण बाजारों पर कब्जा कर रहे हैं।

टीजीटी-पीजीटी आंदोलन खत्म आमरण अनशन के साथ धरना प्रदर्शन भी समाप्त

प्रयागराज। टीजीटी–पीजीटी की नयिमावली और परीक्षा में शामिल होने का अवसर देने की मांग को लेकर प्रयागराज में चल रहा अभ्यर्थियों का आंदोलन 2026 में दार्खिल कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद चार अभ्यर्थियों ने आमरण अनशन खत्म कर दिया। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में उन्हें अनशन तुड़वाया गया। इस बाबत अनशनकारियों ने बताया कि वह खुद टीजीटी–

पीजीटी के अभ्यर्थी हैं। पिछले वर्ष परीक्षाओं की लड़ाई के दौरान जेल में रहने के कारण वह पीजीटी की परीक्षा नहीं दे पाए थे। नई नियमावली से अपना भविष्य प्रभावित होने का आशंका के चलते वह आंदोलन में शामिल हुए।अभ्यर्थियों का आरोप है कि आंदोलन के दौरान प्रशासन की ओर से अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होने का मौका जरूर मिलेगा। इसी भरोसे पर चारों साथियों का आमरण अनशन समाप्त

कराया गया और आंदोलन को फिलहाल स्थगित किया गया है। मांग पूरी नहीं हुई तो दोबारा आंदोलन किया जाएगा।

नीलम करवरिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतापपुर व हंडिया विधानसभा की टीमें घोषित

प्रयागराज। नीलम करवरिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे संस्करण के लिए प्रतापपुर व हंडिया विधानसभा क्षेत्र की टीमों में चयनित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी गई है। आयोजन सचिव सक्षम करवरिया ने के अनुसार 10 से 17 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता के लिए पिछले दिनों संपन्न प्रशिक्षण शिविर में फिटनेस एवं स्किल के आधार पर दोनों टीमों में खिलाड़ियों का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतापपुर विधानसभा की टीम अपना पहला मैच 11 अक्टूबर को करछना विधानसभा से खेलेगी। प्रतापपुर की टीम में अर्कनूर रहमान, दीपक यादव, सीमांत पाल, शिवांश जायसवाल, अनुज सिंह परिहार, नितिन सिंह व अभय यादव (बल्लेबाज), शिवांशु पांडेय व ऋषभ सिंह (विकेटकीपर), अबुजर अंसारी, सागर शुक्ला, ध्रुव प्रताप सिंह, सुशील कुमार, सुनील सिंह राजपूत व दुर्विजय सिंह (स्पिनध्वजे गेंदबाज) को चुना गया हैं। पवन वर्मा टीम के कोच और हिमांशु दुवे मैनेजर होंगे। उधर, हंडिया विधानसभा की टीम का पहला मुकाबला फाफामऊ विधानसभा की टीम से 13 अक्टूबर को होगा। हंडिया की टीम में समर्थ पांडेय, आदर्श सिंह, आयुष त्रिपाठी, अंकुर यादव, अंशुमान पांडेय, आनंद कुमार यादव व श्रीश शुक्ला (बल्लेबाज), लवकुश कुमार चौहान (विकेटकीपर), प्रेरक पाल, नितेश सिंह, सदभाव यादव, प्रकाश कुमार, सत्यम यादव, सुमित यादव व शंकर प्रताप सिंह (स्पिनध्वजे गेंदबाज) को चयनित किया गया हैं। धीरज सिंह टीम के कोच और राहुल सिंह मैनेजर नियुक्त किए गए हैं।

जंघई बाजार में आखिरी बार दिखीं, अभी तक सुराग नहीं

प्रयागराज। सराय ममरेज थाना क्षेत्र में दो सगी बहनों के अचानक लापता हो गई से हैं। दोनों बहनों 18 सितंबर को जंघई बाजार गई थीं। दोपहर करीब 2 बजे उन्हें बाजार में आखिरी बार देखा गया था। इसके बाद से दोनों का कोई सुराग नहीं मिला है। परिजनों ने आसपास के इलाकों में तलाश की, लेकिन बच्चियों का पता नहीं चल सका।लापता बच्चियों में एक 12 वर्षीय और दूसरी 7 वर्षीय थीं। दोनों के गायब होने के बाद परिवार ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी जानकारी की, लेकिन कहीं से कोई सूचना नहीं मिली। चार दिन बीत जाने के बाद परिजनों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

परिजनों ने बच्चियों की तलाश के लिए सोशल मीडिया पर भी अपील की है। दोनों की तस्वीरें और उनकी जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही हैं। लोगों से अपील की जा रही है कि अगर बच्चियां कहीं दिखाई दें या उनके बारे में कोई जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचना दें।

मामले की जानकारी मिलने के बाद सराय ममरेज थाना पुलिस की दोनों बच्चियों की तलाश में जुटी है। पुलिस बच्चियों के बारे में जानकारी जुटाने के साथ ही उनके संभावित ठिकानों पर तलाश कर रही है। सोशल मीडिया पर सामने आई अपीलों में भी उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रयागराज पुलिस से बच्चियों को जल्द तलाश करने की मांग की गई है।

परिजनों ने लोगों से अपील की है कि निधि या अनन्या कहीं दिखाई दें तो उन्हें रोकने या किसी तरह की कार्रवाई करने के बजाय तुरंत पुलिस को सूचना दें।

भारत टैक्सी और मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ, किसानों और टैक्सी चालकों को बड़ी राहत

लखनऊ, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भारत टैक्सी और मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ करते हुए टैक्सी चालकों और किसानों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। भारत टैक्सी से टैक्सी, दोपहिया और तिपहिया वाहन चालक पंजीकरण कर शुन्य कमीशन पर जुड़ सकेंगे। इसके साथ ही उन्हें पांच लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिलेगा। वहीं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम्य विकास बैंक से किसानों को मिलने वाले ऋण की ब्याज दर 11 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दी गई है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सहकारिता की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी कमान किन हाथों में है। अछा नेतृत्व सहकारिता को समृद्धि का माध्यम बना सकता है, जबकि गलत नेतृत्व इसे अराजकता की

ओर ले जा सकता है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देश में अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन हुआ और अब इसके परिणाम दिखाई देने लगे हैं।भारत टैक्सी की शुरुआत को रोजगार और परिवहन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि टैक्सी, दोपहिया और तिपहिया वाहन चालकों के बारे में पहले पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। अब चालक पंजीकरण के साथ शून्य कमीशन पर भारत टैक्सी से जुड़ सकेंगे और उन्हें पांच लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा भी मिलेगी। सामाजिक सुरक्षा मिलने से चालक अधिक निश्चिंत होकर जिम्मेदारी के साथ अपना काम कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी केवल यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने वाली सेवा नहीं है, बल्कि वह पूरे भारत की टैक्सी है, जो देश की गति को प्रगति में बदलने का काम करेगी। लखनऊ, गोरखपुर,

वाराणसी और प्रयागराज में इसका संचालन शुरू हो चुका है। लखनऊ हवाई अड्डे, लखनऊ मेट्रो और लखनऊ पुलिस समेत विभिन्न संस्थाओं के साथ समझौते भी किए गए हैं।मुख्यमंत्री ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां बड़ी संख्या में युवाओं ने बाइक टैक्सी सेवा के माध्यम से श्रद्धालुओं को सुरक्षित संगम तक पहुंचाने में योगदान दिया था। संगम से रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डे तक आवागमन में भी इसका उपयोग हुआ। इससे यातायात व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ा और लोगों को आवागमन की सुविधा मिली। उन्होंने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से ग्रामीण बस सेवा को भी भारत टैक्सी की तर्ज पर आगे बढ़ाने का कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाख लघु और सीमांत किसानों पर लाख करोड़ रुपयों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ करते हुए योगी

आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम्य विकास बैंक से किसानों को अब तक 11 प्रतिशत ब्याज पर ऋण मिलता था, जिसे घटाकर छह प्रतिशत कर दिया गया है। खेती–बाड़ी और कृषि मशीनरी के लिए किसानों को धन की कमी न हो, इसके लिए दीर्घकालिक ऋण की व्यवस्था की गई है। सरकार ने आने वाले वर्षों में पांच लाख लघु और सीमांत किसानों को इस योजना का लाभ देने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि अन्नदाता किसान खुशहाल होगा तो भारत खुशहाल होगा और किसान समृद्ध होगा तो भारत भी समृद्ध होगा। सहकारिता क्षेत्र जितना मजबूत होगा, देश उतना ही मजबूत होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के बाद 86 लाख लघु और सीमांत किसानों के 36 हजार करोड़ रुपयों से अधिाक के ऋण माफ किए गए। दशकों से लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कराया गया।

विप्रा ने 20 हजार वर्गमीटर में विकसित हो रही अनाधिकृत कॉलोनी पर चलाया बुलडोजर -बाउंड्रीवॉल, गेट और सड़क ध्वस्त,नियमितीकरण का शमन आवेदन भी हो चुका था निरस्त

(मथुरा)

गोवर्धन रोड स्थित जचौदा क्षेत्र में लगभग 20 हजार वर्गमीटर भूमि पर विकसित की जा रही अनाधिकृत कॉलोनी के विरुद्ध मथुरा–बुंदावन विकास प्राधिकरण ने बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण के प्रवर्तन दल ने कॉलोनी में निर्मित बाउंड्रीवॉल, गेट एवं सड़क को ध्वस्त कर दिया।ध्वस्तीकरण की इस कार्यवाही से अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनीयों के स्वामियों ने खलबली मची हुई हैं।

विकास प्राधिकरण के अनुसार भवानी शंकर सेठ द्वारा विकसित की जा रही अनाधिकृत कॉलोनी के संबंध में उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत वाद दर्ज किया गया था। मामले में सुनवाई के उपरांत ध्वस्तीकरण आदेश पारित किया गया था। इसके बाद कॉलोनी के नियमितीकरण के लिए विपक्षी द्वारा शमन आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदन की जाँच के दौरान सामने आई आपत्तियों के निराकरण के लिए संबंधित पक्ष को पत्र भेजा गया था। निर्धारित समयावधि में आपत्तियों का निराकरण नहीं किए जाने पर शमन आवेदन निरस्त कर दिया गया।जिसके उपरांत प्राधिकरण के प्रवर्तन दल ने स्थल पर पहुंचकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। कार्रवाई उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन के निर्देशन में तथा सचिव आशीष कुमार सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न कराई गई।

प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि अनधिकृत कॉलोनियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक पर गंभीर आरोप, जिलाधिकारी से जांच की मांग

सुल्तानपुर। नगर पालिका परिषद सुल्तानपुर के पूर्व सभासद सज्जाद खान ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर पालिका में तैनात राजस्व निरीक्षक प्रवीण कुमार सिंह पर गृहकर–जलककर और अन्य राजस्व वसूली में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। उन्होंने पूरे मामले की विभागीय जांच कराकर विधिक कार्रवाई की मांग की है।

जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि नगर पालिका के गृहकर–जलककर असेसमेंट रजिस्टर के कॉलम नंबर–5 में भवन में रहने वाले व्यक्ति, संस्था या किरायेदार का नाम और वास्तविक मासिक किराया दर्ज किया जाना चाहिए। इसी आधार पर गृहकर व जलकर निर्धारित होता है। आरोप है कि कई मामलों में इसका पालन नहीं किया जा रहा है।पत्र में कहा गया है कि बड़े पैमाने पर बने बैंक, मॉल, होटल, गेस्ट हाउस, निजी

मथुरा में चुनावी तैयारियों का शंखनाद, बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर

जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता का प्रथम मथुरा प्रवास के दौरान जिला पदाधिकारियों की परिचय बैठक में संगठनात्मक रणनीति पर हुआ मंयन

(मथुरा) (ए.के.शर्मा)

आगामी चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से जिला कार्यालय में जिला पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण परिचय बैठक आयोजित की गई। जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता के प्रथम मथुरा प्रवास के दौरान हुई बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, सदस्यता अभियान, बूथ सत्यापन और जनसंपर्क गतिविधियों को गति देने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे और



संचालन अमन ठाकुर ने किया। जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने सभी पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त करते हुए संगठन की गतिविधियों और जमीनी स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर संगठन को अभी से पूरी सक्रियता के साथ काम करना होगा। प्रत्येक बूथ को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को संगठन की मुख्यधारा से जोड़कर आगे बढ़ाने पर उन्होंने जोर दिया।

प्रमोद गुप्ता ने कहा कि मथुरा की पवित्र भूमि पर आकर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। परिचय बैठक के माध्यम से संगठन की स्थिति को समझने का अवसर मिला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी चुनाव की तैयारी अभी से शुरू करनी है और बूथ स्तर तक

संगठन को मजबूत बनाना प्राथमिकता होगी।

जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने जिला प्रभारी का स्वागत करते हुए कहा कि यह बैठक केवल परिचय तक सीमित नहीं है बल्कि संगठन को आगामी चुनाव के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रभारी के निर्देशानुसार बूथ सत्यापन, सदस्यता अभियान और जनसंपर्क कार्यक्रमों को गति दी जाएगी।

संगठन की मजबूती पर रहा मुख्य फोकस

बैठक में पदाधिकारियों के बीच संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने, बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने को लेकर चर्चा हुई। जिला पदाधिाकारियों ने संगठन को मजबूत करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को लेकर भी विचार–विमर्श किया।

बैठक में सतपाल चौधरी जिला महामंत्री शोभाराम शर्मा ब्लॉक प्रमुख नरदेव चौधरी ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पूर्व मंत्री सरदार सिंह, पूर्व विधायक चंदन सिंह, नेत्रपाल सिंह, क्षेत्र उपाध्यक्ष मुरारी लाल अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान कमल किशोर, जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी, आकाश चौधरी, महामंत्री श्रीमती मुदिता गोस्वामी, सुरेश तरकर, ज्ञानेंद्र चौहान, भानु प्रताप सिंह, वरिष्ठ युवा समाज सेवी विष्णु चौधरी सहित समस्त जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लखनऊ, गुरुवार 24 सितंबर 2026

कुएं में गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत

सुल्तानपुर। जयसिंहपुर

कोतवाली क्षेत्र के सारंगपुर गांव में एक दर्दनाक हादसे में पांच वर्षीय बच्चे की कुएं में गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, सारंगपुर गांव में अपने ननिहाल में रह रहा पांच वर्षीय अंकुश, पुत्र मिथुन कुछ बच्चों के साथ घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान वह अचानक कुएं में गिर गया। बच्चे के कुएं में गिरने की जानकारी मिलते ही गांव के तीन लोग कुएं में उतरे और काफी मशक्कत के बाद बच्चे को बाहर निकाला। इसके बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि अंकुश अपने ननिहाल में रह रहा था। उसका मूल निवास सुल्तानपुर के मुंगर क्षेत्र स्थित टिकई का पुरवा बताया गया है। परिजनों के अनुसार अंकुश के पिता ने कुछ वर्ष पहले दूसरी शादी कर ली थी, जिसके बाद से वह अपने ननिहाल में रह रहा था। हादसे के बाद मृतक की मां गोल्डी का रो–रोकर बुरा हाल है। अंकुश



और तीन वर्षीय छोटा भाई अनमोल भी घटना के बाद गमगीन हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। जयसिंहपुर कोतवाली प्रभारी विवेक कुमार राय ने बताया

भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में बच्चे के खेलते समय कुएं में गिरने की बात सामने आई है। मामले में आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर की जाएगी।

दरियापुर फ्लाईओवर के नीचे बने श्रमिक जोन का डीएम ने किया निरीक्षण

‘श्रमिकों को रोजगार के साथ स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने पर जोर’

सुलतानपुर। शाहगंज चौराहे से दरियापुर ओवरब्रिज के नीचे स्थानांतरित किए गए श्रमिक जोन का बुधवार को जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने निरीक्षण किया।



इस दौरान उन्होंने श्रमिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।श्रमिकों को एक ही स्थान पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें स्वास्थ्य से वाओं और शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने

के उद्देश्य से श्रमिक जोन स्थापित किया गया है। यहां स्वास्थ्य विभाग की ओर से सात दिवसीय स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया है। शिविर में टीबी, बुखार, आंखों, बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर पालिका के अधिशासी अधिकाारी को श्रमिकों के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, बिजली, जिम तथा स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध ी कराने को कहा। साथ ही मुख्य चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि श्रमिकों के लिए समय–समय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। आगामी शिविरों में एक्स–रे मशीन, मोबाइल एंबुलेंस और मोबाइल मेडिकल यूनिट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था की जा रही है, ताकि श्रमिकों को उनके कार्यस्थल के निकट ही जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। श्रमिक जोन की व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए टीम गठित की गई है। प्रशासन का उद्देश्य श्रमिकों को रोजगार के साथ–साथ सरकारी योजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य कल्याणकारी सुविधाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना ह

मुख्य परिसर में प्रो. हरिकेश सिंह ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया सदेश

मीरजापुर। माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर के मुख्य परिसर में बुधवार को विशिष्ट

माध्यम नहीं हैं बल्कि वे मानव जीवन और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के आधार हैं।



व्याख्यान कार्यक्रम के उपरांत पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर के विकास के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार ने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शोभा गौड़ के साथ मुख्य परिसर का निरीक्षण किया तथा परिसर में पौधारोपण किया।

इस अवसर पर प्रो. हरिकेश सिंह ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने का

उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक और जिम्मेदार बनाना आवश्यक है। कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय को–ज्ञान एवं शिक्षा के केंद्र के साथ–साथ स्वच्छ, सुंदर एवं हरित परिसर के रूप में विकसित करना विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं

और संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाएगा। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि प्रो. हरिकेश सिंह, कुलपति प्रो. शोभा गौड़, कुलसचिव राम नरायन, परीक्षा नियंत्रक हरीश चंद्र एवं डॉ. अतुल किशोर शाही सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। इससे पूर्व मुख्य अतिथि एवं कुलपति ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ मुख्य परिसर के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण कर परिसर के विकास एवं पर्यावरणीय सौंदर्यीकरण से संबंधित आवश्यक बिंदुओं पर भी चर्चा की।

एप के माध्यम से सपा बनायेगी प्रत्येक विधानसभा में 27 हजार सदस्य

भाजपा के झूठ व फरेब से रहना है सावधान: अशोक यादव

मीरजापुर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट पर जिलाध्यक्ष अशोक यादव जी के अध्यक्षता में चुनाव, सदर, मझवां, मडिहान खानबे के विधानसभा पदाधिकारियों व जिला पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पीडीए स्वाभिमान एप के माध्यम से सदस्यता अभियान, पीडीए जनपंचायत जनसंवाद के माध्यम से विधानसभा अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष, जोन, सेक्टर एवं बूथ स्तर के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, एस0आई0आर0 6, 7, 8 का फार्म की रिपोर्ट, स्नातक एवं शिक्षक एम0एल0सी0 के चुनाव को देखते हुए नये मतदाता का नाम जोड़ने के लिए फार्म



भरवाने व चुनाव की तैयारी, सेक्टर स्तर पर दिये गये स्नातक एम0एल0सी0 के मतदाता सूची में मोबाइल नम्बर एकत्र करने, विधानसभावार पीडीए कार्यक्रम कराये जाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर पर धार देने की आवश्यकता है। कहा कि एप के माध्यम से सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 27 हजार लोगों को जोड़ने का लक्ष्य समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 10 वर्षों से विकास का कोई कार्य नहीं किया है। भाजपा के झूठ व फरेब से सावधान रहना है। भाजपा नफरत की राजनीति करती है। नौकरी व रोजगार के झूठे वादे करती है। कहा कि 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। जनता समाजवादी पार्टी के पक्ष में है। सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को अनुशासन में रहकर लोगों के साथ सम्मानजनक भाषा और व्यवहार का परिचय देना है। अन्याय व अत्याचार से जनता त्रस्त है। जनता को समाजवादी पार्टी से उम्मीद है कार्यकर्ता जनता के बीच रहे लोगों को न्याय दिलाने का काम करें। उन्होंने लगे हाथ स्नातक एम0एल0सी0 चुनाव को देखते हुए नये मतदाताओं का नाम जोड़ने पर निर्देश दिया और कहा कि पीडीए कार्यक्रम प्रत्येक विधानसभा में चलेगा जिसकी आपलोगो की तैयारी करनी पड़ेगी। मीरजापुर में पांचो विधानसभा सीटे समाजवादी पार्टी जीतने जा रही है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नेता और पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अशोक यादव व संचालन जिला महासचिव आदर्श यादव ने किया।

बैठक में पूर्व सांसद रमेश चन्द बिन्द, पूर्व विधायक जगतम्बा सिंह पटेल, पूर्व चेयरमैन सुरेन्द्र सिंह पटेल, कीर्ति कोल, पूर्व जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव, आशीष यादव, मुन्नी यादव, परवेज खान, दामोदर मौर्या, लालता बियार, रोहित शुक्ला, राजेश भारती, रामजी मौर्या, रामराज पटेल, अभय यादव, निराला कोल, रविन्द्र बहादुर सिंह, श्याम नारायण यादव, डा0 संतोष सिंह, झल्लू यादव, सत्यप्रकाश यादव, राणा प्रताप सिंह, शैलेश पटेल, संतोष गोयल, मुकुन्द यादव, सूर्यकान्त सिंह पटेल, दिनेश यादव, रामगोपाल बिन्द, रविप्रकाश त्रिपाठी, विजय पटेल, संतबीर मौर्या, संग्राम बिन्द, भोला यादव, राममिलन यादव, कन्हैया यादव, ओमप्रकाश सोनकर, रविसोनकर, परवीन बानो, ज्योति त्रिपाठी, दिलीप गुप्ता, संतोष गोयल, रमाशंकर कोल, सतीश मिश्रा, ओमप्रकाश पटेल, अशोक मिश्रा, रविन्द्र कोल, सुरेश पटेल, कृपाशंकर यादव, राजकुमार केशरी, बृजलाल मौर्या, भरत बिन्द, आकाश यादव, अजय पटेल, लल्लू दूबे, प्रेमकुमार यादव, अंकित दूबे, संजय यादव, डा0 अरविन्द्र श्रीवास्तव, सुभाष पटेल, रमेश ओझा, बलराम यादव, बबलू शुक्ला, अशोक यादव, दुर्गा सिंह, जैनेन्द्र सिंह, लाल बहादुर यादव, मेवालाल प्रजापति, निजाम भाई, जैन कुशवाहा, विजयशंकर प्रजापति, शक्ति श्रीवास्तव, अनिल यादव, दिव्या गुप्ता, आकांक्षा यादव, संगीता यादव, घनश्याम कोल, विनोद सिंह, कुतुबुद्दीन अंसारी, जमुना प्रसाद यादव, अमिषेक दूबे, रामसुधार कुशवाहा, बबू यादव, आशीष कोल, वीरेन्द्र यादव, रफीक अहमद, संतोष यादव, प्रिस राव, राकेश यादव, सोम सिंह, गोबिन्द यादव, रिजवान अहमद, गगन मौर्या, जगदीश्वर सिंह, योगेश यादव, विजयशंकर यादव, जुम्नन खान, जाहिद अख्तर, रामप्यारे गौड़ आदि मौजूद रहे।

मासूम बच्चे को पीटने का आरोप

जौनपुर। सिकरारा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम सभा शुक्रआर पट्टी गांव में प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका पर एक मासूम बच्चे को बुरी तरह मारने पीटने का आरोप लगा है।उक्त गांव निवासी सरोज प्रजापति का 7 वर्षीय पुत्र प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक का छात्र बताया गया है। इस मामले को लेकर बच्चे के पिता सरोज प्रजापति ने आरोप लगाते हुए बताया कि विद्यालय की शिक्षिका सुनीता कनोजिया खेलने पर बच्चे को बुरी तरह पीटा जिससे उसके शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। परिजनों ने विडियों के माध्यम से बच्चे के शरीर पर आई चोटों को भी दिखाया है।

11 नवंबर को निकलेगी चित्रगुप्त शोभायात्रा

जौनपुर। श्री चित्रगुप्त धर्मशाला में मंगलवार रात हुई बैठक में भगवान चित्रगुप्त शोभायात्रा निकालने का फैसला लिया गया। यह शोभायात्रा 11 नवंबर को धूमधाम से निकाली जाएगी। बैठक में कायस्थ समाज के कई संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। कि पूर्व सांसद आकर सिन्हा हमेशा समाज की सेवा में लगे रहते हैं। राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया , रमेंद्र नाथ श्रीवास्तव कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव , आनंद शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि 11 नवंबर को भगवान चित्रगुप्त पूजनोत्सव के दिन रोज़ाट स्थित मंदिर और धर्मशाला में भव्य सजावट की जाए।संस्थापक अध्यक्ष चंद्रमोहन श्रीवास्तव और शोभायात्रा के प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि जल्द ही श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर की 51 सदस्यीय कमेटी बनाई जाएगी। इसमें सभी समाज के लोग शामिल होंगे। इस कमेटी की घोषणा नवरात्र में होगी। संयोजक सरस चंद्र श्रीवास्तव ,अध्यक्ष मनोज अग्रहरी और प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चंद्र श्रीवास्तव सभी से विचार–विमर्श कर यह कमेटी बनाएंगे।

आईआईटी बाम्बे के छात्र आत्महत्या से जुड़े सवाल

आज एआई ने शिक्षा के सामने एक बिल्कुल नई चुनौती खड़ी कर दी है। चोटजीपीटी जैसे उपकरण ज्ञान प्राप्त करने, शोध करने और सीखने में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन परीक्षा में अनुचित तरीकों से इनका इस्तेमाल शैक्षणिक ईमानदारी का प्रश्न बन जाता है। इसलिए केवल प्रतिबंधों पर्याप्त नहीं होंगे। आईआईटी बॉम्बे के द्वितीय वर्ष के बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर 2026 को हुई मृत्यु ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली, विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव, परीक्षा में बढ़ती अनैतिकता, शिक्षकों की जवाबदेही, मानसिक स्वास्थ्य और परिसरों में राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे अनेक गंभीर प्रश्न एक साथ खड़े कर दिए हैं। इस घटना को

सम्पादकीय

कंपनियों के लिए नई चुनौती

रुटो की आम छवि अमेरिका समर्थक की है, लेकिन हाल में उन्होंने चीन से संबंध मजबूत किए हैं। चीन का पहलू अफ्रीका में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए नई चुनौती बन कर उभरा है। बढ़ते राजनीतिक विरोध की चुनौती झेल रहे केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो का भारतीय कंपनी— टाटा केमिकल्स मगाडी को देश से निकालने का फैसला विवादालस्पद है। समझा जाता है कि केन्या में विदेशी निवेशकों के प्रति फैल रही भावना को शांत करने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। बहरहाल, यह निर्णय टाटा ग्रुप की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए तगड़ा झटका है। इससे विदेशों में निवेश कर रही हर भारतीय कंपनी को उचित सबक लेना चाहिए। केन्या के स्थानीय समुदायों में टाटा कंपनी के खिलाफ लंबे समय से असंतोष पनप रहा था। शिकायत थी कि लेक मगाडी के समृद्ध सोडा ऐश संसाधनों का इस्तेमाल तो खूब हुआ, लेकिन बुनियादी ढांचे या रोजगार के रूप में उस क्षेत्र को कोई लाभ नहीं हुआ। अब रुटो ने वादा किया है कि वे वहां ऐसी विदेशी कंपनी को ठेका देंगे, तो स्थानीय विकास के लिए भी निवेश करें। चर्चा है कि ये ठेके चीनी कंपनियों को दिए जाएंगे। रुटो की आम छवि अमेरिका समर्थक नेता की है, लेकिन हाल में उन्होंने चीन से संबंध मजबूत किए हैं। चीन का पहलू अफ्रीका में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के लिए नई चुनौती बन कर उभरा है। जिस ढंग से टाटा कंपनी को निकालने का फैसला हुआ, वैसे कदमों से सामान्यतर चीनी विदेशी निवेशकों में नकारात्मक प्रतिक्रिया होती है। लेकिन रूनी कंपनियाँ अक्सर जोखिम उठाते हुए ऐसे हालात का लाभ उठाने की कोशिश करती हैं।साथ ही इस घटना ने उजागर किया है कि अफ्रीका में आई नई जन चेतना के बीच वहां कार्यरत बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए केवल कानून का पालन ही काफी नहीं रह गया है। बल्कि अब चुनौती स्थानीय समुदायों को संतुष्ट रखते हुए अपनी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की है। इस सिलसिले में पर्यावरण संरक्षण एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन कर उभरा है। गुजरे डेढ़ दशक में अंडानी ग्रुप, रिलायंस, जीएमआर, जिंदल, एस्सार आदि जैसी भारतीय कंपनियों को या तो कुछ देशों से निकाला गया है, या वहां उनके साथ हुए करार बाद में रद्द कर दिए गए। ऐसी घटनाओं से देश की छवि बिगड़ती है। भारतीय कंपनियों को इस बात ख्याल रखना चाहिए।

एक स्वास्थ्य, एक भविष्य सेहतमंद भविष्य के लिए आयुर्वेद

दुनिया अब सेहतमंद होने के मायने पर नए सिरे से सोच रही है। आज स्वास्थ्य—देखभाल का मतलब सिर्फ बीमारी का इलाज करना नहीं हैय बल्कि इसका मकसद बीमारियों को रोकना, तंदुरुस्ती को बढ़ावा देना और ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना है, जो बदलती जीवनशैली, पर्यावरण के दबाव और नई स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर सके। इस बदलते परिदृश्य में, आयुर्वेद भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टि की पेशकश करता है।

11वें आयुर्वेद दिवस की थीम, ष्सेहतमंद भविष्य के लिए आयुर्वेद, और एक स्वास्थ्य, एक भविष्य का विजन इस विचार को बहुत खूबसूरती से पेश करता है। यह हमें याद दिलाता है कि मानव स्वास्थ्य का कोई अलग—थलग अस्तित्व नहीं होता। लोगों, समुदायों, पशुओं और पर्यावरण का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े होते हैं।

आयुर्वेद ने हमेशा बीमारी से बचाव, संतुलित जीवन, सही खान—पान, दैनिक दिनचर्या और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने पर बहुत जोर दिया है। ऐसे समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, उपापचय विकार, तनाव और दूसरी गैर—संक्रामक बीमारियाँ समाज पर बोझ बढ़ा रही हैं, ये सिद्धांत और भी ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं।

लेकिन आयुर्वेद को आगे ले जाने का मतलब सिर्फ पीछे मुड़कर देखना नहीं हो सकता। इसके भविष्य को शोध, साक्ष्यों, नवाचार और गुणवत्ता के जरिए आकार दिया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि आयुर्वेद से जुड़े ज्ञान का अध्ययन आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से हो और उसे ऐसे समाध्ानों में बदला जाए, जो आज की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करते हों।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने इस यात्रा को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 2014 में आयुष मंत्रालय की स्थापनाय आयुर्वेद और अन्य आयुष प्रणालियों को एक मजबूत संस्थागत आधार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। तब से, इसका दायरा संरक्षण और प्रचार—प्रसार से बढ़कर शोध, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल सुविधा, गुणवत्ता आश्वासन, नवाचार और वैश्विक सहयोग तक विस्तृत हो गया है।

स्वास्थ्य देखभाल को असल में मरीज की जरूरतों पर केंद्रित होना चाहिए। जहां उपचार उपयुक्त और साक्ष्य समर्थित हो, वहाँ विभिन्न स्वास्थ्य प्रणालियाँ एक—दूसरे की पूरक बन सकती हैं और स्वास्थ्य के प्रति व्यापक दृष्टिकोण में योगदान दे सकती हैं। जन स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में आयुष सेवाओं का एकीकरण और आयुधाम आरोग्य मदिरों का विस्तार, रोकथाम और समग्र स्वास्थ्य सेवा को ज्यादा सुलभ बनाने के हमारे संकल्प को प्रतिबिंबित करते हैं।

भारत आयुर्वेद को दुनिया तक भी पहुँचा रहा है। आयुर्वेद दिवस के पिछले आयोजन ने दिखाया है कि स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति भारत के नजरिए को दुनिया भर में कैसे समर्थन मिल सकता है। आयुर्मे दिवस ने भारत की स्वास्थ्य परंपराओं के लिए एक वैश्विक अवसर का निर्माण किया है और आयुर्मे तेजी से कल्याण, रेख्यम और सतत स्वास्थ्य र्मेा पर हमे वाली अंतराष्ट्रीय बातचीत का हिस्सा बन रहा है।

मांगते हुए स्वीकार किया कि जांच पूरी होने से पहले घटना से जुड़े विवरण सार्वजनिक करना उचित नहीं था। संबंधित प्रोफेसर को डीन के प्रशासनिक पद से हटाया गया है, जबकि उनके विरुद्ध दर्ज मामले में अंतिम निष्कर्ष अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। स घटना के बाद तीन दिनों तक छात्रों का विरोध प्रदर्शन हुआ और 18 सूत्रीय मांगपत्र सामने आया। इन मांगों में स्वतंत्र जांच, शिक्षकों के विरुद्ध शिकायतों की स्पष्ट प्रक्रिया, छात्र—प्रतिनिधित्व, बेहतर काउंसलिंग, चौबीसों घंटे मनोचिकित्सकीय सहायता, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण और परीक्षा में अनियमितता के मामलों को संभालने के लिए अर्धिक मानवीय प्रक्रिया जैसी बातें शामिल हैं। आईआईटी बॉम्बे के निदेशक ने छात्रों के साथ बातचीत के बाद इस चार्टर पर हस्ताक्षर किए, हालांकि संस्थान की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि आगे की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार होगी। यहीं से इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। क्या शिक्षा संस्थान में अनुशासन और मानवीय संवेदना एक—दूसरे के विरोधी हैं? निश्चित रूप से नहीं। परीक्षा में नकल, मोबाइल का अनुचित इस्तेमाल अथवा एआई के मा्दयम से अनुचित सहायता लेना शिक्षा की विश्वसनीयता के लिए गंभीर चुनौती है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान ऐसी अनैतिकताओं को रोकने में असफल होते हैं तो डिग्री, शोध और प्रतिभा की

विश्वसनीयता प्रभावित होती है। लेकिन दूसरी ओर अनुशासनात्मक कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जिसमें आरोप की निष्पक्ष जांच, छात्र को अपनी बात रखने का अवसर, अपील की व्यवस्था और मानसिक स्थिति को समझने की संवेदनशीलता शामिल हो। अपराध या अकादमिक कदाचार को नजरअंदाज करना भी गलत है और किसी छात्र को बिना समुचित प्रक्रिया के सामाजिक रूप से दोषी ठहरा देना भी।आज एआई



कहां स्वीकार्य है, कहां निषिद्ध है और उल्लंघन की स्थिति में कौन—सी पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। शिक्षकों को भी केवल दंड देने वाले अधिकारी की भूमिका से आगे बढ़कर मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। साहिल प्रकरण ने जातिगत भेदभाव के आरोपों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित छात्राओं में मामला दर्ज किया है, जबकि संस्थान की ओर से यह

चाहिए। भारत में उच्च शिक्षा को लेकर नियामकीय ढांचा भी लगातार अधिक जवाबदेही और छात्र—केंद्रित व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। यूजीसी की 2023 की छात्र शिकायत निवारण संबंधी नियमावली के साथ—साथ 2026 में प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन भी सूचीबद्ध हैं। इसका मूल उद्देश्य यही होना चाहिए कि विद्यार्थी के अधिकार सुरक्षित रहें,

वे कानून की प्रक्रिया से नीचे भी नहीं हैं। यदि किसी शिक्षक ने भेदभाव, उत्पीड़न, धमकी या अन्य गैरकानूनी आचरण किया है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन यदि उसने संस्थागत नियमों के तहत अकादमिक कदाचार पर कार्रवाई की है, तो उस कार्रवाई की वैधानिकता और अनुपातिकता की जांच भी उतनी ही जरूरी है। यही न्यायपूर्ण व्यवस्था का आधार है। सबसे चिंताजनक पहलू तब सामने आता है जब किसी दुष्टाद घटना के बाद विश्वविद्यालय का परिसर राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनने लगता है। राजनीतिक दलों और बाहरी संगठनों को छात्रों के आवाज उठाने का लोकोत्तांत्रिक अधिकार है, लेकिन शिक्षा परिसर की मूल प्रकृति बची रहनी चाहिए। यदि हर प्रशासनिक निर्णय राजनीतिक नारों, धरनों और दबाव की राजनीति से तय होने लगे तो विश्वविद्यालय में अकादमिक स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर यदि प्रशासन छात्रों की आवाज को केवल आंदोलन या राजनीति कहकर खारिज कर दे तो संस्थागत विश्वास और कमजोर होगा। रास्ता दोनों के बीच है—संवाद, पारदर्शिता और स्वतंत्र जांच। आईआईटी जैसे संस्थानों से देश केवल इंजीनियर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी तैयार करने की अपेक्षा करता है। इसलिए सफलता का पैमाना केवल प्लेसमेंट, रैंकिंग, पेटेंट और वैश्विक प्रतिष्ठा नहीं हो सकता। यह भी देखना होगा कि वहां

विद्यार्थी अपने प्रश्न कितनी सहजता से उठा सकता है, शिक्षक से असहमति कितनी सुरक्षित है, शिकायत का समाधान कितनी जल्दी होता है और संकट की घड़ी में संरंधान छात्र के साथ किस तरह खड़ा होता है। साहिल की मृत्यु को किसी एक प्रोफेसर, किसी एक प्रशासनिक निर्णय या किसी एक राजनीतिक संगठन तक सीमित कर देना इस त्रासदी के व्यापक संदेश को छोट्टा कर देगा। असली प्रश्न यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था प्रतिभा के साथ संवेदना, अनुशासन के साथ संवाद और अधिकार के साथ जवाबदेही का संतुलन कैसे बनाए? छात्रों को ईमानदार होना सीखना होगा, शिक्षकों को संवेदनशील होना होगा, संस्थानों को पारदर्शी होना होगा और सरकार तथा नियामक संस्थाओं को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें कानून सुरक्षा का माध्यम बने, भय का नहीं। भारत को यदि अपनी उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित बनाना है तो केवल विश्व रैंकिंग में ऊपर जाना पर्याप्त नहीं होगा। हमारे विश्वविद्यालयों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां अकादमिक ईमानदारी से कोई समझौता न हो, लेकिन गलती करने वाले विद्यार्थी के लिए सुधार का रास्ता भी बंद न हो। जहां शिक्षक की गरिमा सुरक्षित हो, लेकिन शिक्षक की शक्ति निरंकुश न हो। जहां छात्र की आवाज सुनी जाए, लेकिन हर निर्णय सड़क के दबाव से न हो। आईआईटी जैसी शिक्षण संस्थाएं ज्ञान, संवाद और चरित्र निर्माण के केंद्र हैं—उन्हें राजनीतिक अखाड़ा बनने से बचना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उन्हें जवाबदेही से मुक्त रखना भी नहीं है। सवाल यह नहीं कि छात्र आंदोलन क्यों कर रहे हैं या राजनीति क्यों पहुंच रही है, बड़ा सवाल यह है कि ऐसी परिस्थितियां जब—बार पैदा ही क्यों होती हैं? जब तक इस प्रश्न का संस्थागत उत्तर नहीं खोजा जाएगा, तब तक हर नई घटना के बाद विरोध, जांच, आरोप और कार्रवाई का चक्र चलता रहेगा। भारतीय शिक्षा पड़ी।पश्चिमी एशिया का हालिया संकट अमेरिका की ही देन है। जब से यह संकट बढ़ा है, भारत ने रूस से तेल की खरीददारी बढ़ा दी है। यह भारत की मजबूरी भी है।

अगर अमेरिका ने सौ प्रतिशत का टैरिफ थोपा तो !

रूस और ईरान से अगर भारत द्वारा तेल खरीदने का बुनियादी लक्ष्य रूस— यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देना या ईरान—इजरायल युद्ध में अमेरिका और इजरायल का विरोध नहीं है। दरअसल भारत मौजूदा माहौल में अपनी भारी—भरकम जनसंख्या के लिए किरायाती ऊर्जा सुरक्षा को संरक्षित कर रहा है। अमेरिकी संसद के दोनों सदनों से सैंक्शनिंग रशा एंड ईरान एक्ट' के पारित होने को लेकर देश में आशंकाओं के बादलों का उठना स्वाभाविक है। आज जिस आर्थिकी और विश्व व्यवस्था को तकरीबन पूरी दुनिया ने अपना रखा है, उसकी वजह से पूरी दुनिया को लगता है कि अमेरिका के सदस्यों के बिना वह एक कदम आगे नहीं रख सकती। वैश्विक आर्थिकी में डालर के वर्चस्व के चलते

ज्यादातर देशों को लगता है कि अगर अमेरिका की आंखें टेढ़ी हुई तो उस पर महाविपत्ति आ जाएगी। इसी सोच का ही असर है कि इस अधिनियम के पारित होने के बाद भारत के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की नजर में भारतीय विदेश नीति नाकाम नजर आने लगी है। सैद्धांतिक रूप से भारतीय वामवर्धी इकोसिस्टम अमेरिका की हर पल खुला विरोध करता है, लेकिन उसे भी अमेरिकी टैरिफ नज़र भारतीय हित के खिलाफ जानू आ रहा है। इन सबके बीच भारत सरकार की प्रतिक्रिया संतुलित और सधी हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत अपनी 140 करोड़ की आबादी की ऊर्जा सुरक्षा के लिए दुढ़ है। जाहिर है, भारत को झुकाने की सोच रखने वाले ट्रंप प्रशासन को ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं

रही होगी। ऐसे में अमेरिका के अगले कदम पर निगाह रखना ज्यादा जरूरी हो जाता है।रूस और ईरान से अगर भारत द्वारा तेल खरीदने का बुनियादी लक्ष्य रूस— यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देना या ईरान—इजरायल युद्ध में अमेरिका और इजरायल का विरोध नहीं है। दरअसल भारत मौजूदा माहौल में अपनी भारी—भरकम जनसंख्या के लिए किरायाती ऊर्जा सुरक्षा को संरक्षित कर रहा है। इसलिए भारत का न झुकना देश के विपक्षी दलों और अमेरिकी सरकार के लिए हैरतअंगेज भले ही हो, भारतीय हितों के अनुकूल नहीं है। वैसे जब से ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का पद संभाला है, अपने उल—जल्लू फैसलों के लिए ही वे जाने गए हैं। यह पहला मौका नहीं है कि उन्होंने इस कानून के जरिए भारत को दबाने की कोशिश

की है। बीते साल एक अगस्त 2025 से उन्होंने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया था। जिससे उनके ही बाजार में भारतीय वस्तुएं और सामान महंगे होने लगे थे। तब चालाकी दिखाते हुए ट्रंप प्रशासन ने फार्मास्युटिकल्स को इस टैरिफ से अलग रखा था। इसकी वजह यह है कि भारत से अमेरिका आने वाली दवाएं सस्ती पड़ती हैं। भारतीय रत्न और आभूषणों पर टैरिफ लगाने का बहुत असर नहीं पड़ा था। क्योंकि रत्न और आभूषण स्वभाव से ही महंगे होते हैं और उन्हें खरीदने वाले लोगों के लिए इनकी महंगाई मायने नहीं रखती। ठीक वैसे ही, जैसे भारत में महंगा होने के बावजूद सोने की खरीद—बिक्री पर असर नहीं पड़ा है। भारतीय सामान जब बढ़े टैरिफ के चलते अमेरिकी

बाजार में महंगे होने लगे तो अमेरिका में भी ट्रंप प्रशासन के इस फैसले के खिलाफ सवाल उठने लगे। तब तक अमेरिकी प्रशासन को भी समझ आने लगा था कि उसने कैसा कदम उठाया है। इसका असर यह हुआ कि फरवरी 2026 में ट्रंप प्रशासन को टैरिफ में कटौती करनी पड़ी।पश्चिमी एशिया का हालिया संकट अमेरिका की ही देन है। जब से यह संकट बढ़ा है, भारत ने रूस से तेल की खरीददारी बढ़ा दी है। यह भारत की मजबूरी भी है।

आज का राशिफल

मे़ष राशि—

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप अपनी योजनाओं को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएंगे

वृष राशि

आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप किसी भी काम को बहुत ही सावधानीपूर्वक करेंगे तो अच्छा होगा। आज आप अपनी योग्यता और क्षमता से काम को आसानी से कर लेंगे मिथुन राशि

आज का दिन आपके लिए ठीक—ठाक रहेगा। आज आप भीड़ से अलग हटकर कुछ नया करने का प्रयास करेंगे , जिसमें आपको सफलता मिलेगी।

कर्क राशि

आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आप अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे और इस उचित समय का भरपूर सदुपयोग करेंगे।

सिंह राशि

आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप व्यवसाय को विस्तार देने के लिए ऑफिस में मीटिंग कर सकते हैं।

कन्या राशि

आज का दिन आपके लिए रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आज बच्चों की शिक्षा और करियर से संबंधित भी काम हो सकता है।

तुला राशि

आज का दिन आपके लिए फे़वरेबल रहने वाला है। आज आपको व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा लेकिन आज खर्च की अधिकता रह सकती है।

वृश्चिक राशि

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप दिन की शुरुआत किसी जरूरतमंद की मदद करके करेंगे

धनु राशि

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में एक नया और कीर्तिमान इतिहास रचकर दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब होंगे।

मकर राशि

आज का दिन आपके लिए कॉम्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आप ऑफिशियल काम के साथ—साथ अपने निजी कार्यों को भी समय देंगे.

कुंभ राशि

आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपनी योजनाओं को प्रभावशील बनाने के लिए कुछ ठोस और जरूरी कदम उठाएंगें। मीन राशि— आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज योजनाबद्ध तरीके से अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें, इससे आपके कार्य सफल होंगे। आज आपके परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा और परिवार के साथ कोई मनोरंजक प्रोग्राम भी बनेगा। आज आप व्यवसाय में मामूली परिवर्तन करेंगे , जिससे काम की गुणवत्ता अच्छी बनेगी।

शिक्षक संघ ने भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द को सौंपा ज़ापन, कार्रवाई की मांग

बस्ती। डायट प्राचार्य एवं सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक संजय कुमार शुक्ल के कार्य–व्यवहार को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से उठाई गई शिकायत का मामला अब और गंभीर हो गया है। मंगलवार को शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र को ज़ापन सौंपकर प्रकरण में निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की।जिलाध्यक्ष चन्द्रिका प्रसाद सिंह और जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में पहुंचे शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा जिलाध् यक्ष को पूरे मामले से अवगत कराया। पदाधिकारियों ने विशेष रूप से 10 सितम्बर को बहादुरपुर विकासखंड के प्रधानाध्यापकों के प्रशिक्षण के दौरान महिला शिक्षकों के साथ अनर्यादित व्यवहार का मुद्दा उठाया। संघ का आरोप है कि शौचालय एवं यूरिनल से संबंधित विषय को लेकर महिला शिक्षकों के प्रति अशोभनीय टिप्पणी की गई, जिससे शिक्षिकाएं आहत हुईं। संघ ने कहा कि शिक्षकों के साथ अच्छा व्यवहार करने के बजाय डायट प्राचार्य द्वारा शिक्षकों को मानसिक प्रताड़ना देना और विभिन्न तरीके की अपमानजनक टिप्पणी करके अपमानित करना लगातार जारी है। संगठन ने मामले में निष्पक्ष जांच कर तथ्य सामने लाने और दोष पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की।ज़ापन लेने के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष ने शिक्षक संगठन के प्रतिनिधियों के समक्ष ही जिलाधिकारी से फोन पर वार्ता की। उन्होंने डीएम को पूरे प्रकरण से अवगत कराते हुए उचित कार्रवाई की बात कही। वार्ता के दौरान जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी। जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि शिक्षकों और विशेषकर महिला शिक्षकों के लिए सम्मानजनक एवं सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि संगठन मामले में होने वाली जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया पर नजर बनाए रखेगा। ज़ापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से सुशील विवारी, सुरेश गोड़, प्रवीण श्रीवास्तव, चंद्रभूषण द्विवेदी, हर्देष्ट यादव, रजनीश यादव, मंगला प्रसाद मौर्य, विवेक सिंह, गौरव चौधरी, सच्चिदानंद मिश्रा, विनय शंकर पाण्डेय, वेद प्रकाश उपाध्याय, धीरज सिंह, भीमशंकर मिश्र, बाल मुकुंद चौधरी आदि शामिल रहे।

सीएम के विजन का परिणाम, एमपीओ को मिला राष्ट्रीय सम्मान’

गोरखपुर, । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप, ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की मुहिम से संबंध श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (एमपीओ) ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस एमपीओ की सदस्य, महाराजगंज जिले के सहजनवा बाबू गांव की रूपा देवी की गाय ने वाराणसी में नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की तरफ से आयोजित ‘रंगीलो काशी’ पशु मेला में 1.51 लाख रुपये का द्वितीय पुरस्कार जीता है।गोरखपुर में श्री बाबा गोरखनाथ कृपा एमपीओ का गठन सीएम योगी के निर्देश पर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से किया गया है। गोरखपुर मंडल के सभी जिलों में क्रियाशील इस संस्था का शत प्रतिशत स्वामित्व महिला दुग्ध उत्पादकों के हाथ है। अब तक 77000 से अधिक महिला दुग्ध उत्पादक इस एमपीओ से जुड़ चुकी हैं। इस संस्था का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें डेयरी व्यवसाय के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना तथा उनके परिवारों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है। एमपीओ की सदस्य महिलाएं न केवल नियमित रूप से दूध उत्पादन एवं आपूर्ति कर रही हैं, बल्कि वैज्ञानिक पशुपालन, बेहतर पशु प्रबंधन और नई तकनीकों को अपनकर अपनी आय एवं उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में भी आगे बढ़ रही हैं। श्री बाबा गोरखनाथ कृपा एमपीओ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी धनराज साहनी के अनुसार एमपीओ की सदस्य रूपा देवी (महाराजगंज जिले के बृजमनगंज ब्लॉक अंतर्गत सहजनवा बाबू गांव) की जर्सी गाय ने 19–20 सितंबर को नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की तरफ से आयोजित ‘रंगीलो काशी’ राष्ट्रीय स्तर के पशु मेला में द्वितीय पुरस्कार हासिल किया है। 1.51 लाख रुपये का यह पुरस्कार रूपा देवी की जर्सी गाय को 24 घंटे में 25 लीटर से अधिक दूध देने के लिए दिया गया। पुरस्कार नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन डॉ. मीनेश शाह ने प्रदान किया। एमपीओ के सीईओ का कहना है कि रूपा देवी की जर्सी गाय को प्राप्त यह पुरस्कार अन्य सभी महिला दुग्ध उत्पादकों के लिए भी प्रेरक बनेगा।

डा. वी.के. वर्मा को काव्य शिरोमणि सम्मान: अदबी संगम ने किया अभिनन्दन

बस्ती। प्रसिद्ध समाजसेवी, वरिष्ठ चिकित्सक, साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा को उनके साहित्यिक योगदान के लिये साहित्य मण्डल श्रीनाथद्वारा राजस्थान की ओर से काव्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। डा. वी.के. वर्मा को सम्मानित किये जाने पर साहित्यिक संस्था अदबी संगम द्वारा डा. वी.के. वर्मा का अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राम कृष्ण लाल ‘जगमग’ ने कहा कि डा. वी.के. वर्मा को प्रकृति ने विलक्षण प्रतिभा दिया है। उनके साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालते हुये कहा कि ‘मानवता के स्वर, काव्य मुखी, युग चित्र, भावानुभूति, काव्य सौरभ, ‘भाव मन्थन’ काव्य संग्रह एवं लघु कथा संग्रह ‘सोच, कहानी संग्रह उत्कर्ष एवं ‘कोविड 19 काव्य संग्रह’ ‘ सिद्धार्थ से तथागत’ जैसी कृतियों की रचना सहज कार्य नहीं है. डॉ. वर्मा ने चिकित्सक और साहित्यकार दोनों सन्दर्भों में स्वयं को सिद्ध किया है। साहित्य जगत को उनसे बहुत संभावनायें हैं।पुरस्कार प्राप्त करने के बाद डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि वे जिन स्थितियों को अनुभूत करते हैं उसे काव्य में ढालने की कोशिश करते हैं। कहा कि तथागत गौतम बुद्ध पर उन्का महाकाव्य सिद्धार्थ से तथागत’ को पाठकों की विशेष सराहना निरन्तर मिल रही है। कहा कि सम्मान से और बेहतर दायित्वों के निर्वहन की रचनात्मक ऊर्जा मिलती है।डा. वर्मा को काव्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किये जाने पर अनवार हुसेन पारसा, डा. अफजल हुसेन ‘अफजल’, दीपक सिंह प्रेमी, डा. राजेन्द्र सिंह ‘राही’, राहुल कुमार चौहान, परवेज हाशमी, डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, श्याम प्रकाश शर्मा, विनोद उपाध्याय, डा. आर.एन. चौधरी, डा. आर.जी. सिंह, जगदम्बा प्रसाद ‘भावुक’, सागर गोरखपुरी के साथ ही अनेक साहित्यकारों, चिकित्सकों, समाजसेवियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

व्यापार मण्डल ने प्रधानमंत्री को भेजा ज़ापन: यूपीआई पर एमडीआर शुल्क वापस लेने की मांग

बस्ती। यूपीआई लेन–देन पर एमडीआर चार्ज लगाए जाने की प्रस्तावित व्यवस्था के विरोध में मंगलवार को बस्ती उद्योग व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज़ापन भेजकर निर्णय पर पुनर्विचार करने की किया।ज़ापन देने के बाद व्यापार मंडल के चेयरमैन आनंद राजपाल ने कहा कि यूपीआई भुगतान व्यवस्था आज छोटे व्यापारियों से लेकर आम जनता तक के लिए आसान और सुविधाजनक माध्यम बन चुकी है। ऐसे में यूपीआई लेन–देन पर अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने से व्यापारियों और ग्राहकों पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है।संयोजक सूर्य कुमार शुक्ल ने कहा कि सरकार द्वारा डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया गया है और यूपीआई ने व्यापार को सरल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एमडीआर चार्ज लागू होने से छोटे दुकानदारों और व्यापारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री से व्यापारिक र्हेतियों को ध्यान में रखते हुए इस व्यवस्था पर पुनर्विचार करने की मांग की।ज़ापन देने वालों में महामंत्री हज्जित श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष प्रभात सोनी ‘आर्यन’ आशुतोष पाण्डेय, कृपाशंकर त्रिपाठी, गौरव साहू, नन्दकिशोर कसौधन, दिनेश जायसवाल, कमल जायसवाल, अरविन्द चौधरी, घनश्याम कसेरा, विजय श्रीवास्तव, अनिल कसौधन, शिवम कुमार, सुदू, सौरभ गुप्ता, भोला गुप्ता, ओम प्रकाश आर्य, रामजी कसौधन, भागवत बरनवाल, बैजनाथ अग्रवारी, अदालत प्रसाद, उमर खान, रवि कुमार, नीरज गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद कोशल, बृजकिशोर कसौधन, राजेंद्र कौसधन, हिमांशु गुप्ता, मनोज गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण शामिल रहे।

पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण कराने की मांग को लेकर शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को भेजा ज़ापन

बस्ती। परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग को लेकर मंगलवार को शिक्षकों ने विवेक प्रताप सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज़ापन भेजा।

ज़ापन में शिक्षकों ने बताया कि उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित परिषदीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत शिक्षक कई वर्षों से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वर्ष 2016 के बाद से विभिन्न कारणों से पदोन्नति प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। जबकि प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक के पद रिक्त हैं। ज़ापन देने के बाद शिक्षकों ने कहा कि पदोन्नति प्रक्रिया लंबित होने से विद्यालयों के संचालन में भी कठिनाइयां आ रही हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता प्रभावित हो रही है, जिससे शिक्षण कार्य पर असर पड़ रहा है। बताया कि पदोन्नति से संबंधित न्यायालयी प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है और अब प्रक्रिया पूरी करने में कोई कानूनी बाधा नहीं है।

ज़ापन में शिक्षकों ने मुख्यमंत्री से मांग किया कि बेसिक शिक्षा विभाग को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कराया जाए, जिससे पात्र शिक्षकों को उनका अधिकार मिल सके और विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था बेहतर हो सके।

ज़ापन देने वालों में अनुराग श्रीवास्तव, धनीष त्रिपाठी, प्रदीप कुमार गुप्ता, विजय कुमार भारती, अमित मिश्र, दिलीप यादव, प्रदीप यादव, अरूण दूबे, रामाज्ञा यादव, पंकज चौधरी, राजेश कुमार, विमल मुर्मू, नीरज श्रीवास्तव, दिनेश कुमार, सुदर्शन कुमार, विद्याराम, जयदत्त चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल रहे।

जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर उठे सवाल, भाजपा नेता सत्येन्द्र सिंह ‘भोलू’ ने डीएम से किया बिन्दुवार जांच की मांग

बस्ती। जिला चिकित्सालय बस्ती में व्यवस्थाओं और संसाध्ानों के उपयोग को लेकर सत्येन्द्र सिंह ‘भोलू’ ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर मामलों की जांच कराने की मांग किया है। शिकायतकर्ता ने पत्र में अस्पताल की दवा उपलब्धता, इंटरनशिप कर रहे छात्रों से कथित सुविधा शुल्क लिए जाने, चिकित्सकों की उपस्थिति, मरीजों की संख्या में कमी, ऑपरेशन के नाम पर कथित धन वसूली और सीसीटीवी व्यवस्था समेत कई मुद्दे उठाए हैं।शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि कैली अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही कुछ सरकारी दवाएं जिला चिकित्सालय में मरीजों को उपलब्ध ा नहीं कराई जा रही हैं। इसके अलावा जिला अस्पताल में इंटरनशिप कर रहे बच्चों से ड्यूटी लगाने के नाम पर कथित तौर पर पांच हजार रुपये लिए जाने की शिकायत का भी उल्लेख किया

जर्जर सड़कों को लेकर सुभासपा का हल्लाबोल, प्रमोद चौधरी ने एसडीएम को सौंपा ज़ापन

ट्रेक्टर यात्रा निकालकर दिया आर-पार की चेतावनी

बस्ती। विकास खण्ड सल्टौआ गोपालपुर में जर्जर सड़कों का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। गोविंदापुर से ग्राम जाता कर्मा तथा बस्ती–दुमरियागंज मुख्य मार्ग से ग्राम महुआ डाबर को जोड़ने वाले संपर्क मार्गों की बदहाल स्थिति को लेकर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को पार्टी की ओर से ट्रैक्टर यात्रा निकालकर प्रशासन को सड़क निर्माण की मांग को लेकर आर–पार की लड़ाई की चेतावनी दी गई। सुभासपा पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने उपजिलाधिकारी भानपुर को ज़ापन सौंपा।ज़ापन के माध् यम से दोनों जर्जर मार्गों का शीघ्र पुनर्निर्माण कराने और क्षतिग्रस्त स्थानों पर तत्काल मरम्मत कराने की मांग की गई। सुभासपा नेताओं का कहना है कि दोनों मार्ग पिछले कई वर्षों से बदहाल हैं। सड़क पर जगह–जगह बड़े और गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बना हुआ है। क्षेत्र के ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों, महिलाओं, बुजुर्गों और मरीजों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज़ापन में मांग किया गया कि सात दिनों के भीतर दोनों मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कराया जाए। इसके बाद 15 दिनों के भीतर तकनीकी जांच कराकर सड़क निर्माण का प्राक्कलन तैयार कराया जाए और अधिकतम 30 दिनों के भीतर निर्माण कार्य धरातल पर शुरू किया जाए। साथ ही निर्माण की गुणवत्ता और निर्धारित समय–सीमा की निगरानी के लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की गई।ज़ापन देने के बाद प्रमोद कुमार चौधरी ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से जर्जर सड़कों से परेशान है और अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर काम चाहती है। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित समय–सीमा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्रवासियों के साथ शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से धरना–प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान ग्राम प्रधान संतोष कुमार चौधरी, तेजेन्द्र निषाद, विनोद मौर्या, सूरज गौतम, कुलदीप शुक्ला, पूर्व प्रधान राम प्रकाश चौधरी, धर्मराज, कृष्ण मोहन, अखिलेश, घनश्याम, धर्मैद्र, मनोज, सुभाष सहित सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

डा. वी.के. वर्मा को काव्य शिरोमणि सम्मान: अदबी संगम ने किया अभिनन्दन

बस्ती। प्रसिद्ध समाजसेवी, वरिष्ठ चिकित्सक, साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा को उनके साहित्यिक योगदान के लिये साहित्य मण्डल श्रीनाथद्वारा राजस्थान की ओर से काव्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। डा. वी.के. वर्मा को सम्मानित किये जाने पर साहित्यिक संस्था अदबी संगम द्वारा डा. वी.के. वर्मा का अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राम कृष्ण लाल ‘जगमग’ ने कहा कि डा. वी.के. वर्मा को प्रकृति ने विलक्षण प्रतिभा दिया है। उनके साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालते हुये कहा कि ‘मानवता के स्वर, काव्य मुखी, युग चित्र, भावानुभूति, काव्य सौरभ, ‘भाव मन्थन’ काव्य संग्रह एवं लघु कथा संग्रह ‘सोच, कहानी संग्रह उत्कर्ष एवं ‘कोविड 19 काव्य संग्रह’ ‘ सिद्धार्थ से तथागत’ जैसी कृतियों की रचना सहज कार्य नहीं है. डॉ. वर्मा ने चिकित्सक और साहित्यकार दोनों सन्दर्भों में स्वयं को सिद्ध किया है। साहित्य जगत को उनसे बहुत संभावनायें हैं।पुरस्कार प्राप्त करने के बाद डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि वे जिन स्थितियों को अनुभूत करते हैं उसे काव्य में ढालने की कोशिश करते हैं। कहा कि तथागत गौतम बुद्ध पर उनका महाकाव्य सिद्धार्थ से तथागत’ को पाठकों की विशेष सराहना निरन्तर मिल रही है। कहा कि सम्मान से और बेहतर दायित्वों के निर्वहन की रचनात्मक ऊर्जा मिलती है।डा. वर्मा को काव्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किये जाने पर अनवार हुसेन पारसा, डा. अफजल हुसेन ‘अफजल’, दीपक सिंह प्रेमी, डा. राजेन्द्र सिंह ‘राही’, राहुल कुमार चौहान, परवेज हाशमी, डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, श्याम प्रकाश शर्मा, विनोद उपाध्याय, डा. आर.एन. चौधरी, डा. आर.जी. सिंह, जगदम्बा प्रसाद ‘भावुक’, सागर गोरखपुरी के साथ ही अनेक साहित्यकारों, चिकित्सकों, समाजसेवियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

कसौधन सेवा समिति की नवगठित कार्यकारिणी का गठन

गोरखपुर। कसौधन सेवा समिति, रुस्तमपुर, गोरखपुर की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का गठन शहर के एक स्थानीय होटल में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं महर्षि कश्यप जी की आरती के साथ हुआ।समिति की नवगठित कार्यकारिणी में देवेन्द्र नाथ कसौधन को अध्यक्ष, सतीशवर कसौधन एवं मृत्युंजय कसौधन को उपाध्यक्ष, सुशील कसौधन को महासचिव, मार्कण्डेय कसौधन को महामंत्री तथा आशुतोष कसौधन, अवधेश कसौधन, बी.एन. कसौधन एवं जयराम कसौधन को मंत्री मनोनीत किया गया।इसी क्रम में नन्हैलाल कसौधन को कोषाध्यक्ष, चन्द्रशेखर कसौध न, आनन्द कसौधन एवं पंकज कसौधन को सचिव, सुरेश चौधरी कसौधन को मीडिया प्रभारी तथा प्रमोद कसौधन को संगठन मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई।कार्यक्रम के दौरान महिला समिति एवं युवा मोर्चा का भी गठन किया गया। महिला समिति में गायत्री देवी को अध्यक्ष तथा ममता को महामंत्री मनोनीत किया गया। वहीं युवा मोर्चा में शुभम कसौधन को अध्यक्ष एवं अंकित कसौधन को मंत्री बनाया गया।नवगठित पदाधिकारियों ने समिति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने, समाज को संगठित करने तथा सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राजेश चौधरी अध्यक्ष, मित्रसेन यादव मंत्री घोषित

बस्ती। मंगलवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक इकाई रूछौली का अधिवेशन और निर्वाचन ब्लाक संसाधन केन्द्र रूछौली में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन के प्रथम चरण में शैक्षिकोन्नयन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला संयोजक देवेन्द्र वर्मा ने कहा कि आज के परिेश्व में शिक्षा और शिक्षालय दोनों को उत्कृष्ट बनाये रखना शिक्षकों के लिए सघसे बड़ी चुनौती है। गोष्ठी को इन्द्रसेन मिश्रा, महेश मास्टर, दुर्गा प्रसाद सिंह, शोभाराम वर्मा ,चंद्रभान चौरसिया, राम भरत वर्मा, आदि ने संबोधित किया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में पर्यवेक्षक विजय प्रकाश चौधरी और चुनाव अधिकारी सत्य प्रकाश पाठक की देखरेख में ब्लॉक स्तरीय निर्वाचन कराया गया। सर्व सम्मत से अध्यक्ष पद पर राजेश चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव सिंह, मंत्री मित्रसेन यादव, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार, संयुक्त मंत्री पद पर कैलाश नाथ निर्वाचित हुए। इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद पर राम सागर चौधरी, संदीप भारती, पवन और वंदना, संगत मंत्री पद पर बृजेश पटेल, अनूप कुमार, बिन्देश, मनीष वर्मा और प्रतिम यादव, प्रचार मंत्री पद पर उमेश कुमार चौधरी,त्रिभुवन सिंह, अनिल कुमार यादव, धर्मैद्र कुमार, एकाउंटेंट पद पर संजय कुमार और ऑडिटर संजय निर्वाचित हुए।

हाईकोर्ट बेंच को लेकर अधिवक्ताओं का बड़ा एलान

मेरठ । मेरठ में हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर अधिवक्ताओं की आम सभा में आंदोलन को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। सभा में तय किया गया कि भाजपा के किसी भी प्रतिनिधि, चाहे वह सांसद, विधायक या मंत्री हो, को कचहरी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। मेरठ बार एसोसिएशन में भाजपा से जुड़े प्रतिनिधि सदस्य होने पर उन्हें नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण लिया जाएगा और जवाब के आधार पर सदस्यता समाप्त करने की कार्रवाई की जाएगी। भाजपा के जनप्रतिनिधियों के कचहरी प्रवेश पर रोक

हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर हुई आम सभा में निर्णय लिया गया कि भारतीय जनता पार्टी के किसी भी प्रतिनिधि को कचहरी परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसमें सांसद, वि्धायक और मंत्री शामिल हैं। अधिवक्ताओं ने हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया। सभा में तय किया गया कि मेरठ बार एसोसिएशन में यदि भाजपा का कोई प्रतिनिधि सदस्य है तो उसे नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। स्पष्टीकरण मिलने के बाद उसकी सदस्यता समाप्त करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही एमपी–एमएलए कोर्ट में जनप्रतिनिधियों की ओर से अधिवक्ताओं द्वारा दाखिल वकालतनामे वापस लेने का निर्णय भी लिया गया।कचहरी के प्रवेश द्वार पर लगाए जाएंगे बैनर

अधिवक्ताओं ने कचहरी के प्रत्येक प्रवेश द्वार पर भाजपा के विरुद्ध बैनर लगाने का निर्णय लिया। बुधवार को संयुक्त व्यापार संघ के साथ संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की जाएगी। इसमें हाईकोर्ट बेंच की मांग से जुड़े मुद्दों और आंदोलन के आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी जाएगी।

बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस कथित बयान का भी मुद्दा उठाया गया, जिसमें सेंट्रल मार्केट प्रकरण की तरह हाईकोर्ट बेंच का समाधान सुप्रीम कोर्ट से कराने की बात कही गई। बैठक में मुख्यमंत्री और सभी जनप्रतिनिधियों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर भाजपा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी से भी अपना वकालतनामा वापस लेने का निर्णय लिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि मुख्यमंत्री के बयानों को लेकर बुधवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 22 जिलों के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने आंदोलन को आगे भी जारी रखने का फैसला किया है।

पीडीए की काट करेगा भाजपा का शतब बनाम अब्द फर्म्नालाय जातीय भेदभाव को दूर करने पर जोर

मेरठ। यूपी मिशन 2027 को फरह करने के लिए सपा और भाजपा ने सियासी दांवपेंच तेज कर दिए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव जहां पीडीए पर फोकस कर रहे हैं तो भाजपा ने पीडीए की काट के लिए श्शतब बनाम अब्शर फॉर्मूला अपनाया है।

भाजपा संगठन और सरकार दोनों सपा सरकार के पांच वर्ष बनाम भाजपा सरकार के 10 वर्ष के शासन के फर्क को याद दिला रही है। सपा ने युवाओं और बेरोजगारी को मुद्दा बनाया है तो भाजपा ने सपा सरकार के गुंडा–माफियाराज को मुद्दा बनाया हुआ है। मेरठ में भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मंच से सपा की तत्कालीन सरकार को माफिया से चलने वाली करार दिया।

तब भनाम अब के फॉर्मूले पर धुआंधार अमल भाजपा ने अपने तब बनाम अब के फॉर्मूले को धुआंधार ढंग से अपनाया है। यूपी में भाजपा की ओर से अखिलेश सरकार के कार्यकाल में हुए दंगों, माफियाराज, आपराधिक घटनाओं, मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद, आमर खान के वचर्यश, कांवड़ यात्रा पर सख्ती को मुद्दा बनाकर जनता को सावधान किया जा रहा है। इसके साथ ही 2017 के बाद बनी भाजपा सरकार में सुध ारी कानून व्यवस्था, अपराधियों पर शिकंजा, प्रदेश में बने एक्सप्रेसवे, रैपिड वे मेट्रो रेल, औद्योगिक इकाइयां लगाने, मेडिकल कॉलेज खोलने को उपलब्धियों के रूप में गिनिया जा रहा है। कार्यकर्ताओं को भी सपा–भाजपा सरकार के कामकाज के बीच के फर्क को जनता को समझाने का जिम्मा सौंपा गया है। भाजपा के प्रत्येक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश में 2017 से पहले की स्थिति पर फोकस किया जा रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, मंत्रियों, पार्टी पदाधिकारियों की ओर से सपा पर प्रहार किए जा रहे हैं।

जातीय भेदभाव को दूर करने भी जोर सपा की ओर से जिस प्रकाश से पीडीए (पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक) पर फोकस किया जा रहा है, उससे भाजपा की पेशानी पर बल पड़े हुए हैं। सपा नेता खासकर पश्चिम उत्तर प्रदेश में गुर्जर व जाट समाज को अपने पाले में लाने के लिए आक्रामक रणनीति अपना रहे हैं, उससे भाजपा पूरी तरह से असहज है।

यही कारण है कि सोमवार को मेरठ में हुए शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर जातीय भेदभाव बढ़ाने और महापुरुषों को भी जातियों में बांटने का आरोप लगाते हुए उससे सावधान रहने की अपील की।

नितिन से लेकर योगी और पंकज चौधरी तक का सपा पर वार

युवा संवाद और शक्ति केंद्र सम्मेलन में भाजपा के राष्ट्रीय अध् यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सपा की तत्कालीन सरकार पर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि राम के नाम से सपा नेता इतनी नफरत करते हैं, जितनी बाबर करता था।

मिठाई काउंटर में मिला चूहा ग्राहकों ने सफाई और सेहत के मुद्दे पर उठाए सवाल

मेरठ। मेरठ के पल्लवपुरम फेज–वन स्थित।इट रेस्टोरेंट मे मिठाई के काउंटर में चूहा घुस गया। काउंटर में चूहा देखकर रेस्टोरेंट में मौजूद ग्राहकों ने नाराजगी जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। कुछ ही देर में इसकी जानकारी अन्य ग्राहकों और रेस्टोरेंट के कर्मचारियों को भी हो गई।

चूहे के मिठाई के काउंटर में घुसने की घटना के बाद ग्राहकों ने रेस्टोरेंट की साफ–सफाई और खाद्य सामग्री की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। ग्राहकों का कहना था कि मिठाई के काउंटर तक चूहे का पहुंचना स्वच्छता व्यवस्था को लेकर गंभीर लापरवाही का मामला है। घटना के बाद मौके पर काफी देर तक अफरा–तफरी का माहौल बना रहा। वहीं वायरल वीडियो पर खाद्य विभाग के डीओ वेद प्रकाश मिश्र का कहना है कि वीडियो में दुकान का नाम दिख रहा है जिसके आधार पर टीम भेजकर जांच की जाएगी और उसी आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। सेहत के प्रति खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इसके साथ ही दुकानदार से जब इस संबंध में बात की तो उन्होंने बताया कि वीडियो हमारे ही दुकान का है लेकिन तारीख स्पष्ट नहीं है। घटना के बाद रेस्टोरेंट में रखी मिठाइयों की स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ग्राहकों में चिंता देखने को मिली। फिलहाल घटना को लेकर किसी तरह की शिकायत या खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है।

मीरजापुर के कालीन कारोबार को मिलेगी वैश्विक पहचान

मीरजापुर। योगी सरकार की ओर से उद्योग एवं व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नोएडा में 25 सितंबर से उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की यह पहल मीरजापुर के कालीन उद्योग को वैश्विक बाजार में नई पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगी। इस ट्रेड शो में जनपद के 10 कालीन कारोबारी व 2 मिष्ठान कारोबारी हिस्सा लेकर अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन में देश–विदेश से आने वाले कारोबारियों और 86 देशों के आयातकों को मीरजापुर में तैयार होने वाले आकर्षक कालीन, दरी और अन्य हस्तशिल्प उत्पादों को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। इससे स्थानीय कालीन कारोबारियों को नए बाजार और विदेशी खरीदारों से जुड़ने का मंच मिलेगा। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के उपायुक्त संदीप कुमार ने बताया कि इंटरनेशनल ट्रेड शो मीरजापुर के कालीन उद्योग को नई उड़ान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय कारोबार के बदलते परिदृश्य में स्थानीय कालीन कारोबारियों को नए विदेशी खरीदारों और कारोबारियों से संपर्क स्थापित करने का अवसर मिलेगा। इससे निर्यात के नए रास्ते खुलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि ट्रेड शो में मेसर्स रमाशंकर कारपेट, मेसर्स शबनूर कारपेट, मेसर्स इस्तेखार कारपेट तथा मेसर्स बूजेश दरी एवं कारपेट हाल नंबर–9 में अपने उत्पाद प्रदर्शित करेंगे। वहीं मेसर्स परी हैंडीक्राफ्ट, मेसर्स आरएस हैंडीक्राफ्ट, मेसर्स नंदिनी हैंडीक्राफ्ट तथा मेसर्स चौपियन ट्रेडर्स हाल नंबर–10 में उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। मेसर्स वन पैलेस ऑफ रग्स हाल नंबर–14 और मेसर्स आर्टलाइन क्रिएशन हाल नंबर–15 में अपने उत्पाद प्रदर्शित करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि प्रदेश सरकार की एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना मीरजापुर के कालीन उद्योग के लिए र्संजीवनीश साबित हुई है। ओडीओपी के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं और आर्थिक सहायता से कालीन कारोबार को प्रोत्साहन मिला है। कारोबार में वृद्धि का सकारात्मक असर कालीन बुनकरों की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ा है। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ ही पारंपरिक कालीन निर्माण से जुड़े परिवारों को भी इसका लाभ मिल रहा है।

बच्चों की कूची में दिखे विकास और राष्ट्र निर्माण के सपने

लालगंज, मीरजापुर। भारती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को आयोजित ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से साकार किया। किसी चित्र में गांव के विकास की तस्वीर उभरी तो किसी में जल जीवन मिशन और चंद्रयान के जरिए देश की प्रगति को दर्शाया गया। विद्यार्थियों की रचनात्मकता ने उनके सपनों और सोच को सामने रखा। सामाजिक विज्ञान के शिक्षक राजेंद्र सिंह यादव ने कहा कि विकासकारी गतिविधियों से समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। ऐसे प्रयास समाज को मजबूत और खुशहाल बनाने में सहायक होते हैं। चार्ट प्रतियोगिता विद्यार्थियों के विचारों को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। उनके सपनों की झलक चित्रों में दिखाई दी। समाजसेवी रामबली गुप्ता ने कहा कि छात्र जीवन की गतिविधियां व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। समाजसेवी अमरेश दुबे ने कहा कि ज्ञान और सृजन से परिवर्तन की राह बनती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विजयपुर स्थित मां माधव इंटरमीडिएट कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य ने की। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान भविष्य निर्माण के केंद्र हैं। विद्यार्थियों की रचनात्मक गतिविधियां राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रतियोगिता में सौम्या, रिया सिंह, शशि, कृति, नय्या पांडेय, आकृति, श्रेया, पूजा सिंह, उद्धव सिंह, संख्या यादव, वर्षा, सरिता, आकाशा और हर्षचंद्र ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने जल जीवन मिशन, चंद्रयान और इसरो सहित विभिन्न विषयों पर चित्र बनाए। प्रधानाचार्य राजेश द्विवेदी ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान तनु अग्रहरे, सूफिया बेगम, ओम प्रकाश मिश्रा, संजय कुमार, आरती मिश्रा, अर्पण मिश्रा और अदिति आंचल शर्मा समेत शिक्षक मौजूद रहे।

पांच दिवसीय प्रगतिशील स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

मीरजापुर। बापू उपरौध इंटर कॉलेज लालगंज में मंगलवार से पांच दिवसीय प्रगतिशील स्काउट–गाइड प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। शिविर में विद्यार्थियों को सेवा, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर 26 सितंबर तक चलेगा। प्रधानाचार्य डॉ. धर्मजीत सिंह ने शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि स्काउट–गाइड प्रशिक्षण विद्यार्थियों को जीवन की व्यावहारिक परिस्थितियों के लिए तैयार करता है। प्रशिक्षण से दूसरों की सहायता करने, जिम्मेदारी निभाने और सामूहिक रूप से कार्य करने की भावना विकसित होती है।विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी बढ़ती है।प्रशिक्षण के दौरान स्काउट–गाइड के नियमों, दल भावना, सेवा कार्य, अनुशासन और जिम्मेदारी से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां कराई जाएंगी। विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों के प्रति सजग करने पर भी जोर दिया जाएगा। प्रशिक्षक मनोज कुमार नीलम, रविंद्र कुमार और शशिकांत तिवारी प्रशिक्षण देंगे।

कंकरखेड़ा में उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड के नवनिर्मित क्षेत्रीय कार्यालय परिसर का लोकार्पण

मेरठ उत्तर प्रदेश सरकार के उपक्रम उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड के नवनिर्मित क्षेत्रीय कार्यालय परिसर का लोकार्पण आज कंकरखेड़ा, मेरठ में मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राजनैतिक पेंशन, सैनिक कष्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल, उत्तर प्रदेश सरकार, डॉ0 सोमेन्द्र तोमर द्वारा किया गया। लगभग रू0 521.89 लाख की लागत से निर्मित यह परिसर पूर्व सैनिकों के कल्याण हेतु पर्याप्त एवं आधुनिक अवसर उपलब्ध कराने के निगम के निरंतर प्रयासों का प्रतीक है। इसके माध्यम से क्षेत्र के पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, उनके आश्रितों तथा अन्य लाभार्थियों को पंजीकरण, नियोजन एवं कल्याणकारी सेवाएँ अधिक सुलभ, प्रभावी एवं समयबद्ध रूप से प्राप्त हो सकेंगी। साथ ही निगम के संस्थानगत ढाँचे एवं क्षेत्रीय पहुँच को भी मजबूती मिलेगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के कल्याण क्षेत्र के पूर्व सैनिक कल्याण निगम

25 सितम्बर को मऊसीएचसी में लगेगा रक्तदान शिविर

चित्रकूट। जिला संयुक्त चिकित्सालय के रक्त केन्द्र प्रभारी डॉ कृमिल त्रिवेदी ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत 25 सितम्बर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मऊ में र्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।बताया कि रक्तदान करने से कोई कमजोरी नहीं आती अपितु रक्तदान करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल घटता है। जिससे हृदयाघात होने की सम्भावना कम हो जाती है तथा रक्त का निर्माण तेज हो जाता है। इसलिए सभी सम्मानित नागरिकों समाजसेवी, शिक्षक, स्वयंसेवी संस्थाओं, राजकीय कर्मचारियों, अधिाक्ताओं, 18 वर्ष से अधिक उम्र के छात्रों से अपील है कि मानव जीवन की रक्षा के लिए र्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रक्तदान करें या भावी रक्तदाता के रूप में अपने को पंजित करायें। ताकि गर्भवती माताओं एवं दुर्घटना में घायल व्यक्तियों, हीमोफीलिया, थेलेसीमिया रोग से ग्रसित बच्चों का जीवन बचाया जा सके। रक्तदान किसी के लिए जीवनदान वरदान साबित हो सकता है।

ई-रिवशा पलटा, दबने से वृद्ध की मौत

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के हन्ना गांव के पास सोमवार की रात को यात्रियों से भरा ई रिवशा अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें एक यात्री दब गया। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें बाहर निकालकर सीएचसी में भर्ती कराया। मऊ के कटैया खान गांव निवासी लक्ष्मण निषाद ने बताया कि उसके पिता चौबा निषाद (66) सोमवार की शाम को गांव के मऊ से सब्जी लाने के लिए निकले थे। वापसी में जैसे ही रिवशा हल्ला वनैका गांव के पास पहुंचा तो मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गया। इसमें सवार कटैया खादर निवासी चौबा निषाद रिव्शे के नीचे दब गए। इलाज के दौरान रात में ही चौबा निषाद की मौत हो गई। उनके दो पुत्र चार पुत्री हैं। घटना के बाद मां मुखली देवी का रो रोकर बुरा हाल रहा। थाना प्रभारी राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि अज्ञात ई रिवशा चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बाइक से गिरकर तीन दोस्त घायल

चित्रकूट। सदर कोतवाली क्षेत्र के बेड़ीपुलिया से रानीपुर भटट मार्ग के बीच अनियंत्रत बाइक से गिरकर तीन लोग घायल हो गए। परिजनों ने तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। रानीपुर भट्ट गांव निवासी धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि सुबह वह अपने गांव के ही दोस्त विश्वासगार और संजय के साथ बाइक से बेड़ीपुलिया गए थे। लौटते समय बाइक अनियंत्रित होकर गिरी।

महिला की मौत पर मायका और ससुराल पक्ष के बीच हायापाई

चित्रकूट। बांदा जिला के नरैनी रोड अतर्रा निवासी अनूषा (21) की मंगलवार को जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौके पर मौजूद ससुरालीजन और मायका पक्ष में आरोप प्रत्यारोप के बीच जब महिला की मौत हो गई तो दोनों पक्ष एक दूसरे से भिड़ गए।

मानवता का सदेश लेकर देवरी कला पहुंची संत पंकज जी की जनजागरण यात्रा, उमड़ा जनसैलाब

मडिहानध्मीरजापुर। विख्यात संत बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी संत पंकज जी महाराज की 108 दिवसीय विराट जनजागरण यात्रा सोमवार को मडिहान तहसील के ग्राम देवरी कला में अपने 33वें पड़ाव पर पहुंची। यात्रा के गांव में प्रवेश करते ही पूरा माहौल जयगुरुदेव के जयकारों से गूंज उठा। ग्रामीण भाइयों व बहनों ने सड़क के दोनों किनारे खड़े होकर पुष्पवर्षा, सुसज्जित कलश, आरती और कोल–नगाड़ों के साथ संत जी के काफिले का भव्य स्वागत किया। छोटे–छोटे बच्चों ने हाथों में झंडियां लेकर यात्रा का अभिनंदन किया। मंगलवार की सुबह मंच से सत्संग संदेश देते हुए संत पंकज जी महाराज ने कहा कि संत महात्मा इस धरती पर कोई जाति–पाति, धर्म, मजहब या कोम–कौमियत बनाने नहीं आते। वह हमारे हाथों में उंडा–तलवार पकड़ाने भी नहीं आते।उन्होंने कहा, प्संत तो सबको मानवता, सच्ची इंसानियत का पाठ पढ़ाते हैं।जीव को मालिक से मिलने का रास्ता बताते हैं। साधु–भजन कराकर इस भवसागर से पार ले जाते हैं और जन्म–मरण के बंधनों से मुक्ति दिलाते हैं।महाराज जी ने युवाओं को विशेष संदेश देते हुए कहा कि भगवान की भक्ति के लिए सबसे पहले मानवतावादी बनो और अच्छे समाज के निर्माण में भागीदार बनो।शराब सभी बुराइयों की जड़ है।आज घर–घर में कलह का कारण नशा है।इसलिए समय की मांग है कि नशा त्यागो, शाकाहारी बनो और चरित्र का उत्थान करो। सत्संग के दौरान संत जी ने नामदान देते हुए सुमिरन, ध्यान और भजन की क्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि दुनिया का ज्ञान जहां समाप्त होता है, उसकी चोटी से अध्यात्मवाद प्रारंभ होता है।यदि आप विधि से सूरत–शब्द नाम योग की साधना करेंगे तो आपको ईश्वरीय लोकों के दर्शन होंगे और वहां की आवाजें भी सुनाई देने लगेंगी। शब्द को पकड़कर जीवात्मा ऊपरी मंडलों में चली जाएगी। जैसे चिड़िया अपने घोंसले से निकलकर आसमान का सफर करके वापस अपने घोंसले में आ जाती है, उसी प्रकार जीवात्मा ऊपरी मंडलों का सफर करके इस मानव वन में वापस आ जाती है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि परमात्मा के बनाए इस नर–नारायणी शरीर रुपी मंदिर में मांस, मछली, अंडा, शराब डालोगे तो इसकी कठोर सजा मिलेगी। अंत में उन्होंने आगामी 17 से 21 दिसंबर 2026 तक जयगुरुदेव आश्रम, मधुपुर में होने वाले वार्षिक भंडारा सत्संग मेले में सभी श्रद्धालुओं को पहुंचने का निमंत्रण दिया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष घूरन प्रसाद, संगठन मंत्री व प्रवका मोती लाल सिंह, डॉ. बच्चा सिंह, संतोष, रमेश एडवोकेट, बाबूलाल मौर्य, लखनऊ संगत से आए बाबूलाल रावत, ब्रूजेश सिंह, अशोक यादव, संतोष शर्मा, रामसेवक सहित बड़ी संख्या में साधु–संत मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में उमेश कुमार यादव, राम सिंह यादव, संजय कोल, वेदांती पांडेय का विशेष सहयोग रहा।

मड़िहान में रत्नदान शिविर, तीन लोगों ने किया रत्नदान

मड़िहान मीरजापुर। जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने और लोगों के प्रति स्वंैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मड़िहान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में तीन लोगों ने रक्तदान किया, जबकि छह लोगों ने रक्तदान के लिए अपना पंजीकरण कराया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी मीरजापुर के निर्देश एवं साईं परिवार सेवा संगठन, मीरजापुर के सहयोग से आयोजित शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदान के लिए पहुंचे लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद पात्र पाए गए लोगों से रक्त संग्रह किया गया। शिविर में सीएचसी प्रभारी डॉ. राधेश्याम वर्मा की देखरेख में स्वास्थ्य संभाल की टीम ने व्यवस्थाएं बिभागी। आयोजन में जनसंपर्क अधिकारी राम कुमार गुप्ता, डॉ. बिनोद कन्नोजिया, अनंत राम पांडेय, कपिल, किशन, आशिफ, माला सिंह, अमित पटेल और प्रवेश राजभर सहित टीम के सदस्यों ने सहयोग किया। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि दुर्घटना में घायल लोगों, गंभीर मरीजों, प्रसूताओं तथा अन्य जरूरतमंद मरीजों के

ज्योतिषाचार्य व श्रद्धालुगण।

चित्रकूट। भगवान श्री ण की विशाल शोभा यात्रा एवं जल विहार उत्सव के परम्परागत कार्यक्रम के तहत मंगलवार को श्री.ण भक्त मण्डल के तत्वावधान में जिला मुख्यालय में विशाल शोभा यात्रा निकाली गयी। शाम को रामघाट में जल विहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शोभा यात्रा की अगुवाई कर रहे प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं नारायण दत्त त्रिपाठी ने बताया कि वह आठ वर्ष की आयु से यह कार्यक्रम करा रहे हैं। समय के साथ धीरे–धीरे यह आयोजन विस्तार रूप लेता जा रहा है। आयोजन के तहत मंगलवार की सबसे प्रातः आठ से 10 बजे तक मण्डप पूजन और इसके बाद भगवान का महाभिषेक कार्यक्रम किया गया। दोपहर दो बजे से श्रृंगार आरती एवं रात्र भोग के बाद जल विहार शोभा यात्रा निकाली गयी। उन्होंने बताया कि समाज में गौमता और भगवान के प्रति श्रद्धाभाव रखने वालों में ही मानवता और मनुष्यता होती है। समाज के कल्याण की कामना को लेकर प्रत्येक वर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। जिसके तहत शोभा यात्रा के बाद रामघाट में जल विहार कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। जिसमें एक नौका में भगवान को जल विहार कराया जाता हैऔर शेष नौकाओं में श्रद्धालु मौजूद रहते हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार 23 सितम्बर को भगवान के विग्रह के दिव्य तुलादान दर्शन और राजभोग आरती का आयोजन किया जाएगा। तुलादान की सामग्री श्रद्धालुओं के बीच वितरित कर दी जाती है। इसके बाद भगवान के 56 भोग का दर्शन, आरती एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर भागवताचार्य आचार्य नवलेख दीक्षित महाराज, अधिवक्ता संघ के महासचिव विजय प्रकाश त्रिपाठी, भाजपा नेता जगदीश प्रसाद गौतम, इं. देवदत्त त्रिपाठी, समाजसेवी कमलेश मिश्रा, मोहनलाल जैन, कालीचरण पाठक, गुड्डन दुबे, अनुज त्रिपाठी, अंकुश त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

सड़क नहीं तो अनशन, कोटवा पांडेय दलित बस्ती में 250 परिवारों का प्रदर्शन ’तहसीलदार लौटे बैरंग, पांव लोग आमरण अनशन पर बैठे

उनकी बात सुनने से इनकार कर दिया। इसके बाद मडिहान तहसीलदार आशीष पांडेय भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने जब उनसे लिखित आश्वासन मांगा तो तहसीलदार पीछे हट गए और मौके से निकल गए। समाचार लिखे जाने तक पुलिस बल मौके पर डटी हुई है और अनशन जारी है।अनशन स्थल पर लगभग 200 बस्ती निवासी जुटे हुए हैं। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी हैं। अनशन में बैठे लोगों में राम सजीवन, दशरथ, रजनी देवी, मंजू देवी, सीता देवी, मन्मता देवी, प्रेमा देवी, सुशीला देवी, गुड्डिया सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक सड़क निर्माण नहीं किया जायेगा तो सड़क निर्माण का पुलिस बल मौके पर डटी हुई है और अनशन जारी है।अनशन स्थल तक आमरण अनशन जारी रहेगा।

मेरे सपनों का भारत यीम पर चितकला प्रतियोगिता, बच्चों ने कल्पनाओं को दिया आकार

लालगंज, मीरजापुर। शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद यादव के निर्देशन में शनिवार को यू.ओ. कॉन्वेंट स्कूल (गुरुकुलम) कोटा शिव प्रताप सिंह में मेरे सपनों का भारत थीम पर बच्चों ने चित्र कला का आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में चंद्रयान–3 की सफलता, हर घर जल योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसे विषयों पर बच्चों ने अपनी रचनात्मकता दिखाई। बच्चों ने केवल चित्र और मॉडल ही नहीं बनाए, बल्कि स्वच्छ भारत कैसे बने, स्मार्ट क्लास का उपयोग कैसे हो और पर्यावरण संरक्षण कैसे किया जाए, इस पर अपने विचार भी प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में विद्या पाण्डेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, उन्होंने अपने मॉडल से सभी का मन मोह लिया। द्वितीय स्थान पर रानी सिंह रही, जिन्होंने हलिया कानन खंड के लहुरियादह गांव में हर घर जल योजना पर आधारित चित्र प्रस्तुत किया।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान में न हो लापरवाही : सीडीओ

चित्रकूट। विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तृतीय चरण का आयोजन जनपद मे 1 से 31 अक्टूबर एवं दस्तक अभियान 12 से 31 अक्टूबर तक किया जाना प्रस्तावित है। कार्यक्रम के सफल संचालन व कियान्वयन के लिए अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की प्रथम बैठक मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में सीडीओ ने समस्त संबंधित विभागो को शासन द्वारा प्राप्त गाइड लाइन के अनुसार समस्त गतिविधियां ससमय कराने के निर्देश दिए। सीएमओ डा महेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि अभियान के दौरान संचारी रोगो की रोकथाम को समस्त संबंधित विभागो द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कीटनाशक दवाओ का छिड़काव, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, पशुपालको का संवेदीकरण आदि कार्य किये जायेंगे। अगर सीएमओ डा जीआर रतमेले द्वारा बताया गया कि दस्तक अभियान के अन्तर्गत आशा व आंगनबाडी कार्यकत्रियो द्वारा घर–घर भ्रमण कर व भ्रमण के दौरान क्षय रोग के लक्षणयुक्त व्यक्तियों, कुपोषित बच्चो आदि की जानकारीया एकत्र करेंगी साथ ही घर के प्रत्येक सदस्यो की आभा आईडी बनाने का कार्य भी किया जायेगा। जिला मलेरिया अधिकारी आरके सिंह द्वारा बताया गया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का उद्देश्य अन्तर्विभागीय सहयोग से वेक्टर जनित रोगो पर नियंत्रण व जनमानस में जागरूकता बढ़ाना है। बैठक मे संबंि त अधिकारी मौजूद रहे।

जमीनी रंजिश में दिव्यांग महिला को पीटा

चित्रकूट। कर्वी न्यायालय प्रांगण में एक दिव्यांग महिला को दूसरी महिला ने जमीनी रंजिश के चलते घसीट कर लात चूसो से जमकर मारा पीटा। जिससे उसके हाथ पैर कमर में गंभीर चोटें आईं। किसी अधिवक्ता ने कर्वी कोतवाली को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल महिला की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कराई। घायल प्रेमलता पत्नी गया प्रसाद निवासी छपरा माफी ने बताया कि जमीनी रंजिश के चलते उक्त महिला ने बुरी तरह मारापीटा है।

संस्थान ने पाठा के बाढ़ पीड़ितो को वितरित की राहत सामग्री

चित्रकूट। अतिवृष्टि से प्रभावित पाठा क्षेत्र के एक सैकड़ा आदिवासी परिवारों को अखिल भारतीय समाजसेवा संस्थान ने सीइस इंडिया दिल्ली के सहयोग से राहत सामग्री वितरित की। जिसका मुख्य उद्देश्य बाढ़ से प्रभावित परिवारों को दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराकर उन्हें तत्काल राहत प्रदान करना था। डोंडा माफी, बंमिया, मोटवन एवं जारो माफी गांवों के एक सैकड़ा बाढ़ प्रभावित परिवारों ने संस्थान के मानिकपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय से राहत सामग्री प्राप्त की। कार्यक्रम में सीइस इंडिया दिल्ली से रवि कुमार की उपस्थिति में राहत किट प्रदान की गई। कार्यक्रम में संस्थान संस्थापक गोपाल भाई ने लाभार्थियों से आपात स्थिति में सामग्री के सदुपयोग की अपील की एवं स्वच्छ व् स्वस्थ जीवन की कामना की। राहत सामग्री वितरण के दौरान उपस्थित किसानों द्वारा बताया गया कि बाढ़ के कारण उनके घर, खाद्यान्न, घरेलू उपयोग की वस्तुओं एवं आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे समय में प्राप्त राहत सामग्री उनके लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता विजय सिंह, देशराज, मनोज कुमार, भारती, चंद्र प्रकाश, संजय शुक्ला आदि मौजूद रहे।

बूढ़े हनुमान मंदिर में धूमधाम से मना बुढ़वा मंगल, जय श्रीराम से गूँजा रामघाट

चित्रकूट। धर्मनगरी के मंदाकिनी तट रामघाट पर विराजमान प्राचीन बूढ़े हनुमान जी मंदिर में मंगलवार को बुढ़वा मंगल का पर्व धूमधाम और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर के महंत रामजी दास महाराज ने विधिविधान से हनुमान जी की पूजा अर्चना की। पूजन के बाद मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों साधु संतों व श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। भंडारे के दौरान मंदिर परिसर और रामघाट क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने कतार में खड़े होकर प्रसाद ग्रहण किया। पूरा रामघाट क्षेत्र जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा। महंत रामजी दास ने बताया कि बुढ़वा मंगल का विशेष महत्व है। इस दिन बजरंगबली की आराधना से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु चित्रकूट सहित आसपास के जिलों से दर्शन करने पहुंचे। आयोजन शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। इस दौरान मुख्य आयोजक शिव गुप्ता पत्नी शशि गुप्ता, वीरू सेट, पंकज द्विवेदी, आशीष चौरसिया, विशाल अग्रवाल, विक्की अग्रवाल, शशांक केसरवानी आदि मौजूद रहे।

-संस्कार संस्कृति चैनल में दिव्वाया जाएगा लाइव प्रसारण

चित्रकूट। मुख्यालय के तौराैह में 23 सितंबर से 5 अक्टूबर तक 13 दिवसीय रामलीला महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन में भगवान श्रीराम की लीलाओं का मंचन कलाकार करेंगे। कार्यक्रम को लेकर आयोजकों एवं क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। रामलीला महोत्सव में राम जी की भूमिका करन तिवारी एवं सुमित शुक्ला, लक्ष्मण जी की भूमिका मनीष तिवारी छोटी जोड़ी एवं उदित शुक्ला, परशुराम जी की भूमिका सर्वेश द्विवेदी निभाएंगे। रावण की भूमिका संतोष त्रिपाठी तथा बाणासुर की भूमिका नवनीत दीक्षित द्वारा निभाई जाएगी। इसके अलावा चौमुखा की भूमिका पप्पू राम जी, कामिक की भूमिका योगेश अजुबा, व्यास जी की भूमिका श्रवण कुमार द्विवेदी तथा तबला वादक के रूप में शब्दानंद जी (बलराम बाबा) और आर्गन वादक के रूप में पंकज सिंह राजावत अपनी प्रस्तुति देंगे।

मुकेश सहनी का चितकूट में समर्थकों ने किया जोरदार स्वागत

चित्रकूट। विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक एवं बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी मंगलवार को चित्रकूट पहुंचे। उनके पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान निषाद समाज के लोगों ने गंगाजल हाथ में लेकर आरक्षण एवं अपने हक अधिकार के लिए संकल्प लिया। इसके बाद मुकेश सहनी पत्रकारों से रुबरू हुए। उन्होंने निषाद आरक्षण संकल्प अभियान और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर अपना पक्ष रखा। संस्थापक मुकेश सहनी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निषाद आरक्षण संकल्प अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत गांव–गांव जाकर निषाद समाज के लोगों से संवाद किया जा रहा है और गंगाजल हाथ में लेकर अपने अधिकार एवं आरक्षण के लिए संकल्प कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चित्रकूट में भी लोगों ने अपने पूरूजों को साक्षी मानकर आरक्षण की मांग को लेकर संकल्प लिया है।

